



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

6 JAN 1970

सं० 52]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 26, 1970 (पोष 5, 1892)

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 26, 1970 (PAUSA 5, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 20 अक्टूबर 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The un-mentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 20th October 1970 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

— शून्य —

— Nil —

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi, Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1019	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य दोनों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 5585
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1595	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	753
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	127	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1507
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1541	भाग III—खंड 2—एकस्थ कार्यलय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	497
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	191
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	3063
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	4579	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	221
		पूरक संख्या 52—	
		19 दिसम्बर 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्टें	2141
		28 नवम्बर 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	2151
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1019	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	5585
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1595	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	753
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	127	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1507
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1541	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	497
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	191
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	3063
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	4579	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	221
		SUPPLEMENT No. 52	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 19th December 1970	2141
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 28th November, 1970	2151

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1970

सं० 61-प्रेज०/70—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रुस्तम अली खां,
कांस्टेबल सं० 531,
बांकुरा जिला,
पश्चिम बंगाल।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिसके लिए पदक प्रदान किया गया।

बांकुरा का जबा चौधरी जो अपनी आपराधात्मक कार्यवाहियों के कारण जनता के लिए खतरे तथा पुलिस के लिए भारी चिन्ता का कारण बना हुआ था, उसे पकड़ने के लिए स्थानीय पुलिस पूरे प्रयत्न कर रही थी। उसका पीछा करने के लिए कांस्टेबल रुस्तम अली खां को विशेष रूप में तैनात किया गया। 24 अप्रैल 1966 की प्रातः लगभग 8 बजे जबा चौधरी के ठौर-ठिकाने के बारे में सूचना प्राप्त हुई और कांस्टेबल रुस्तम अली खां एवं कांस्टेबल नारायण मंडल को सादे कपड़ों में तैनात किया गया ताकि अपराधियों को पकड़ने के लिए पूरा सशक्त पुलिस दल के पहुंचने तक उन पर नज़र रखें। लगभग सांय 6 बजे दोनों कांस्टेबलों ने अपनी-अपनी जगह ले ली। जैसे ही कांस्टेबल नारायण मंडल पुलिस के छापामार दल को साने हेतु पुलिस थाने को रवाना होने वाला था कि जबा चौधरी के एक साथी ने उसे देख लिया। खतरे का भास करते हुए कांस्टेबल नारायण मंडल उस पर हावी हो गया और उसे पकड़ लिया। जबा चौधरी के साथी ने सहायता हेतु सीटी बजाई और जबा चौधरी अपने छिपे स्थान से बाहर निकल आया और पिस्तौल निकाल ली। इसी बीच कांस्टेबल रुस्तम अली खां उस स्थान पर आ पहुंचा था उसने जबा चौधरी के हाथ पर, जिसमें कि भरा हुआ पिस्तौल था, लाठी मारी किन्तु पिस्तौल नहीं गिरी। जबा चौधरी ने कांस्टेबल रुस्तम अली खां पर दो गोलियां दाग दीं जिससे कि उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

कांस्टेबल रुस्तम अली खां ने उत्कृष्ट साहस का प्रदर्शन किया और अपने कर्तव्य का पालन करते-करते अपने प्राण दे दिए।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 अप्रैल 1966 से दिया जाएगा।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1970

सं० 17/12/69 पी० (पर्व० 1)।—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (राजपत्रित कर्मचारी वृन्द) भर्ती नियम, 1959 में और आगे मंशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (i) ये नियम राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (राजपत्रित कर्मचारी वृन्द) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
- (ii) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- इस मन्त्रालय की अधिसूचना/देखिये सं० 21/17/58-पी० III (ए०), दिनांक 8-10-1959 में प्रकाशित भर्ती नियम के नियम 3 के पश्चात् निम्नलिखित नया नियम अर्थात् नियम 5 जोड़ दिया जा सकेगा :—
- शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किये जायेंगे, और संघलोक सेवा आयोग से परामर्श करके आदेश द्वारा व्यक्तियों/पदों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

के० त्यागराजन, उप-सचिव

विदेशी व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1970

संकल्प

सं० 12/43/70 - टैक्स (ए०) — भारत सरकार ने, भारत के राजपत्र भाग I खण्ड 1 में 4 जुलाई, 1969 को प्रकाशित अपने संकल्प सं० 29/2/69 टैक्स (ए०) दिनांक 4 जुलाई 1969 के द्वारा पुनर्गठित सूती वस्त्र मलाहकार बोर्ड में निम्नलिखित व्यक्तियों को सदस्य के रूप में नियुक्त करने का विनिश्चय किया है :—

- अध्यक्ष,
अखिल भारतीय सहकारी कलाई मिल संघ।
- अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक,
भारतीय रुई निगम।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

आदेश दिया जाता कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों, सभी संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों, प्रधान मन्त्री सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिवों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक, प्रत्येक करोड़ का केन्द्रीय बोर्ड, उत्पादन शुल्क तथा सीमा-शुल्क का केन्द्रीय बोर्ड, लोक सभा और राज्य सभा के सचिवालयों, संसद् पुस्तकालय और वस्त्र आयुक्त, बम्बई को भेज दी जाये ।

ह० क० बंसल, उप-सचिव

इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1970

आदेश

सं० एस० सी० (1)-5 (2)/70 —संकल्प संख्या एस० सी० (1)-5 (2)/70, दिनांक 19 नवम्बर 1970 की शर्तों के अनुसार भारत सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को लोहा और इस्पात सलाहकार परिषद् के सदस्य नियुक्त करती है

1 अध्यक्ष,

भारतीय उद्योग और वाणिज्य मन्डल महासंघ, फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली अथवा उनका मनोनीत व्यक्ति ।

2 अध्यक्ष,

दी एसोसियेटेड चैम्बर्स आफ कोमर्स एण्ड इन्डस्ट्री आफ इंडिया रायल एक्सचेंज, कलकत्ता-1 अथवा उनका मनोनीत व्यक्ति ।

3 हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, रांची के 6 प्रतिनिधि, जिन्हें हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड नामित करेगी ।

4 बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद (बिहार) का एक प्रतिनिधि ।

5 टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, 43 चौरंगी रोड, कलकत्ता-16 के 2 प्रतिनिधि जिन्हें टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी नामित करेगी ।

6 इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, लिमिटेड, 12 मिशन रो, कलकत्ता-1, के दो प्रतिनिधि जिन्हें इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी नामित करेगी ।

7 प्रबन्ध निदेशक तथा उपाध्यक्ष, मैसूर आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, भद्रावती (मैसूर) ।

8 स्टील रिरोलिंग मिल्स एसोसिएशन आफ इंडिया, 2 ब्रैग-बोर्न रोड, कलकत्ता के दो प्रतिनिधि जिन्हें स्टील रिरोलिंग मिल्स एसोसिएशन आफ इंडिया नामित करेगी ।

9 भारतीय इंजीनियरिंग संस्था, द्वारा मेटल बाक्स क० आफ इंडिया लि०, इलाहाबाद बैंक बिल्डिंग, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली का एक प्रतिनिधि ।

10 इंडियन फाउन्ड्री एसोसिएशन, इंडिया एक्सचेंज (सातबी मंजिल) इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता-1 का एक प्रतिनिधि ।

11 इंजीनियरिंग एसोसिएशन आफ इंडिया, इंडिया एक्सचेंज (आठवीं मंजिल) इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता-1, का एक प्रतिनिधि ।

12 स्टील मर्चेन्ट्स एसोसिएशन आफ इंडिया, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता-1, का एक प्रतिनिधि ।

13 अध्यक्ष,

अखिल भारतीय निर्माता संघ,

कोआपरेटिव इन्शुरेंस बिल्डिंग, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, बम्बई-1 ।

14 इस्पात निर्यात संस्था 18 रवीन्द्र मरणी, कलकत्ता-1 का एक प्रतिनिधि जिसे इस्पात निर्यात संस्था नियुक्त करेगी ।

15 संयुक्त संयंत्र समिति, 18 रवीन्द्र मरणी, कलकत्ता-1 का एक प्रतिनिधि जिसे संयुक्त संयंत्र समिति नियुक्त करेगी ।

16 मेटल स्कैप ट्रेड कारपोरेशन, लि०, पी०-34, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता-1 का एक प्रतिनिधि जिसे निगम नियुक्त करेगी ।

17 खनिज तथा धातु निगम, एक्सप्रेस बिल्डिंग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली का एक प्रतिनिधि जिसे निगम नियुक्त करेगी ।

18 अखिल भारतीय लोहा और इस्पात व्यापारी संघ, लांहा मण्डी, मोतिया खान, दिल्ली का एक प्रतिनिधि जिसे संघ नियुक्त करेगी ।

19 भारतीय लघु उद्योग की संस्थाओं की संघ, 23-बी०/2, रोहतक रोड, नई दिल्ली का एक प्रतिनिधि जिसे संघ नियुक्त करेगी ।

20 अध्यक्ष,

अखिल भारतीय लोहा और इस्पात स्टाकहोल्डर संघ, अजमेरी गेट, दिल्ली-6 ।

21 अध्यक्ष,

आयरन स्टील एण्ड हाईवेयर मर्चेन्ट्स एण्ड मैनुफैक्चरर्स, चेम्बर आफ इंडिया, स्टील चैम्बर्स, 403 लोहा भवन, फरेरे रोड, बम्बई-9 ।

22 सचिव, संयुक्त कार्यवाही समिति, (भारतीय खान संस्था आदि), 6 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 ।

23 म्माल स्केल स्टील रिरोलिंग मिल्स एसोसिएशन आफ अपर इंडिया, मण्डी गोविन्द गढ़ का एक प्रतिनिधि ।

24 पश्चिमी बंगाल बेलन मिल संस्था, कलकत्ता का एक प्रतिनिधि ।

25 भारतीय लोहा और इस्पात स्कैप संस्था, 73 संत तुकाराम रोड, बम्बई -9, का एक प्रतिनिधि ।

- 26 अध्यक्ष,
स्टील बायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, इंडिया
एक्सचेंज (आठवीं मंजिल) इंडिया एक्सचेंज प्लेस,
कलकत्ता-1 ।
- 27 अध्यक्ष, भारतीय मिश्रित इस्पात उत्पादन संस्था, संरक्षक मैसर्स
महेन्द्रा एण्ड यूजीन स्टील कम्पनी लिमिटेड, 14-ए०,
अटामोन्टरोड, बम्बई-26 डब्लू बी० ।
- 28 साउथ इंडिया आयरन एण्ड हाईड्रोजन मर्चेन्ट्स एसोसिएशन,
99 अरमानियन स्ट्रीट, मद्रास-1, का एक प्रतिनिधि ।
- 29 सरकार द्वारा नियुक्त 6 प्रतिनिधि ।
- 30 श्री सी० आर० रामस्वामी, ओरियेन्टल बिल्डिंग, 108,
अरमानियन स्ट्रीट, मद्रास ।
- 31 अध्यक्ष, रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) या उसका प्रतिनिधि ।
- 32 सचिव, पेट्रोलियम, रसायन तथा खान और धातु मन्त्रालय
(खान तथा धातु विभाग) नई दिल्ली ।
- 33 सचिव, औद्योगिक विकास तथा आन्तरिक व्यापार मन्त्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग), नई दिल्ली ।
- 34 सचिव, विदेश व्यापार मन्त्रालय, नई दिल्ली ।
- 35 सचिव, योजना आयोग, नई दिल्ली ।
- 36 सचिव, संसदकार्य, जहाजरानी तथा परिवहन मन्त्रालय
(जहाजरानी तथा परिवहन विभाग) नई दिल्ली ।
- 37 सचिव, प्रतिरक्षा मन्त्रालय (प्रतिरक्षा उत्पादन विभाग)
नई दिल्ली ।
- 38 सचिव, आपूर्ति मन्त्रालय, नई दिल्ली ।
- 39 वित्तीय सहायकार, वित्त मन्त्रालय (लोहा और इस्पात
खण्ड) नई दिल्ली ।
- 40 महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली ।
- 41 महानिदेशक भारतीय मानक संस्था, नई दिल्ली ।
- 42 आयात तथा निर्यात के मुख्य नियंत्रक, नई दिल्ली ।
- 43 विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली ।
- 44 कोयला खनन सलाहकार, पेट्रोलियम, रसायन तथा
खान और धातु मन्त्रालय (खनन तथा धातु विभाग) नई
दिल्ली ।

लोहा और इस्पात उद्योग अथवा व्यापारियों अथवा उपभोक्ताओं
का प्रतिनिधित्व करने के लिये कुछ और सदस्य भी होंगे जिनकी
संख्या भारत सरकार बाद में निश्चित करेगी ।

यह आदेश, भारत के राजपत्र दिनांक 28 सितम्बर 1968
के भाग 1 खण्ड 1 में प्रकाशित आदेश संख्या एस० सी० (1)-
24(42)/65 दिनांक 21 सितम्बर, 1968 के अतिक्रमण में
जारी किया जाता है ।

संकल्प

लोहा और इस्पात सलाहकार परिषद्

सं० एस० सी० (1)-5(2)/70 :—भारत सरकार ने
लोहे और इस्पात सम्बन्धी सभी सामान्य मामलों विशेषतया उत्पा-
दन, वितरण, परिवहन, अनुसंधान जायान और निर्यात की समस्याओं
के बारे में सलाह देने हेतु भूतपूर्व इस्पात, खान और धातु मन्त्रालय

के दिनांक 21 सितम्बर 1968 के संकल्प संख्या एस० सी०
(1)-18(3)/68- समय समय पर संशोधित गठित की गई
लोहा और इस्पात सलाहकार परिषद् का पुनर्गठन करने का निर्णय
किया है ।

2 इस परिषद् में निम्नलिखित होंगे ।

(i) इस्पात और भारी इंजीनियरी मन्त्री - अध्यक्ष ।

(ii) दो पदेन सदस्य ।

क - भारतीय वाणिज्य और उद्योग मण्डल महासंघ के अध्यक्ष
अथवा उनका मनोनीत व्यक्ति ।

ख - एसोसियेटेड चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री आफ
इण्डिया के अध्यक्ष अथवा उनका मनोनीत व्यक्ति ।

(iii) उन्तालीस सदस्य जो भारत सरकार की राय में
उत्पादकों, उपभोक्ताओं, व्यापार तथा खनन और
सम्बन्ध हितों का प्रतिनिधित्व करने में समर्थ हैं ।

(iv) भारत सरकार के सम्बन्धित मन्त्रालयों के चौदह सदस्य ।

(v) सचिव, इस्पात और भारी इंजीनियरी मन्त्रालय ।

(vi) इस्पात और सम्बन्ध हितों के 6 प्रतिष्ठित व्यक्ति
जिन्हें सरकार नामित करेगी ।

(vii) लोहा और इस्पात नियंत्रक-सदस्य सचिव

3 अध्यक्ष भी किसी अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को लोहा
और इस्पात उद्योग अथवा व्यापारियों या उभोक्ताओं का प्रति-
निधित्व करने के लिये परिषद् की बैठक में भाग लेने के लिये विशेष
रूप से आमंत्रित कर सकता है ।

4 परिषद् की बैठक कम से कम वर्ष में एक बार अवश्य होगी ।

5 परिषद् का गठन दो वर्ष के लिये किया गया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इसे सामान्य सूचना के लिये भारत
के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय ।

ए० एन० राजगोपालन, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1970

मि० सं० 7 (15)/69-प्रशासन 1 (.)—इस्पात तथा भारी
इंजीनियरी मन्त्रालय की दिनांक 11 नवम्बर 1970 की अधि-
सूचना सं० 7 (15)/69-प्रशासन 1 का अधिक्रमण करने हुए
केन्द्रीय सचिवालय सेवा (लोहा तथा इस्पात मन्त्रालय संवर्ग)
के स्थायी सहायक तथा इस्पात और भारी इंजीनियरी मन्त्रालय
में स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री गुरदास मल मुतनेजा ने
दिनांक 16 नवम्बर 1970 के पूर्वोक्त से अनुभाग अधिकारी के
पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा (लोहा तथा इस्पात
मन्त्रालय संवर्ग) के ग्रेड IV के स्थायी अधिकारी श्री गुरदास मल
मुतनेजा को 17 नवम्बर, 1970 के पूर्वोक्त से अगले आदेश दिये
जाने तक इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मन्त्रालय में स्थानापन्न
कनिष्ठ विश्लेषक नियुक्त किया है ।

एच० एल० आहूजा अवर सचिव

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं नगर

विकास मंत्रालय

(निर्माण, आवास और नगर-विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1970

सं० 2-4/69-यू० डी० -1—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 की सं० 61) की धारा 23 की उप-धारा (5) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा, दिसम्बर, 1970 में, खुले बाजार में, निम्न शर्तों पर, बांडों के जारी करने की मंजूरी देती है :—

जारी करने की राशि — एक करोड़ रुपये (जारी की गई राशि के 10 प्रतिशत तक अधिक चन्दे के रखने के अधिकार के साथ) ।

जारी करने का मूल्य — 99.75 रुपये प्रतिशत ब्याज की दर 5 3/4 प्रतिशत प्रतिवर्ष प्रवर्तनावधि — 12 वर्ष

दलाली और उत्तरदायित्व

कमीशन कुल मिलाकर 50 पैसे प्रतिशत से अधिक नहीं ।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किये जाने वाले पूर्वोक्त बांडों के मूलधन के लौटाने और ब्याज के भुगतान की गारंटी लेती है ।

एल० एम० मुखवाणी, अवर सचिव

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

दिनांक

सं० एफ० 11/1/67-सी० ए० 1 (1)—इम मन्त्रालय की अधिसूचना सं० एफ० 11/1/67 सी० ए० 1 (I) दिनांक 25 सितम्बर, 1970 की क्रम में श्री मनोहर सिंह गिल तथा डा० के० सी० ओझा के स्थान पर क्रमशः श्री गुरबचन सिंह, संयुक्त सचिव, पंजाब सरकार तथा श्री रमेश चन्द्र माथुर, उप-निदेशक तथा उप-सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, सांस्कृतिक-कार्य और वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग, लखनऊ को केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है ।

ए० एस० सलवार, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1970

संकल्प

विषय—राष्ट्रीय खेल संघ पर अनौपचारिक सलाहकार समिति :

सं० एफ० 10-42/69-वाई० एम० 1 (1)—सरकार के संकल्प सं० एफ० 10-42/69-वाई० एम० 1, दिनांक 29 नवम्बर 1969 द्वारा स्थापित की गई राष्ट्रीय खेल संघ की अनौपचारिक सलाहकार समिति के सदस्यों के कार्यकाल को भारत सरकार 29 नवम्बर 1970 से लेकर एक वर्ष के लिये मर्यादित करती है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ क्षेत्रों के प्रशासनों प्रधान मन्त्री सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, संसदीय-कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय तथा भारत सरकार के सभी मन्त्रालय और विभागों को भेज दी जाय ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिये यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय ।

दिनांक 10 दिसम्बर 1970

संकल्प

विषय राष्ट्रीय खेल-कूद तथा शारीरिक शिक्षा परिषद् की स्थापना

सं० एफ० 1-18/68 Y S i (2)—भारत सरकार यह विचार करने के बाद कि खेलों और शारीरिक शिक्षा के सभी पहलुओं की उन्नति एवं विकास के लिये भारत सरकार को सलाह देने के लिये अखिल भारतीय स्तर पर एक सलाहकार निकाय होना आवश्यक समझते हुए, यह संकल्प करती है कि अपनी स्थायी समितियों तथा तकनीकी समितियों के साथ एक राष्ट्रीय खेल कूद तथा शारीरिक शिक्षा परिषद् की स्थापना की जाएगी (इसके बाद इन्हें स्थायी समिति, विशेषज्ञ समिति और परिषद् कहा जाएगा) :—

2. परिषद् का मुख्यालय दिल्ली में होगा ।

3. 1. परिषद् का गठन इस प्रकार होगा :—

1. अध्यक्ष : केन्द्रीय शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्री ।

2. उपाध्यक्ष : केन्द्रीय शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय में खेलकूद तथा शारीरिक शिक्षा के इंचार्ज मन्त्री ।

मदस्य :

3. सभी राज्यों और संघ क्षेत्रों के खेल कूद और शारीरिक शिक्षा के मन्त्री ।

4. लोक सभा से चार संसद सदस्य (भारत सरकार द्वारा मनोनीत) ।

5. राज्य सभा में दो संसद मदस्य (भारत सरकार द्वारा मनोनीत) ।

6. शिक्षा सचिव ।

7. वित्तीय सलाहकार ।

8. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ।

9. अध्यक्ष, अंतर विश्वविद्यालय बोर्ड ।

10. अध्यक्ष, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल कूद संस्थान की सोसाइटी (मनाइपस) ।

11. अध्यक्ष, भारतीय ओलंपिक संघ ।

12. अध्यक्ष, सेवाएं खेल-कूद नियंत्रण बोर्ड ।

13. अध्यक्ष, भारतीय स्कूल खेल-कूद संघ ।

14. भारत सरकार द्वारा मनोनीत किये गये कुछ राष्ट्रीय खेल-कूद संघों के अध्यक्ष ।

15. खेलों के पांच विशेषज्ञ, जिनके नाम भारत सरकार द्वारा मनोनीत किये गये हों ।

16. शारीरिक शिक्षा के पांच विशेषज्ञ, जिनके नाम भारत सरकार द्वारा मनोनीत किये गये हों ।

17. खेलों तथा शारीरिक शिक्षा में रुचि लेने और उनको प्रोत्साहन देने वाले वे दस व्यक्ति जिन्हें भारत सरकार मनोनीत करे।

सदस्य-सचिव

18. शिक्षा मन्त्रालय में खेलों के कार्यभारी संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सलाहकार।

3. 2. परिषद् के काल ही अवधि इस संकल्प के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने वाली तिथि से लेकर तीन वर्ष तक होगी।

3. 3. अध्यक्ष द्वारा नियत किये गये स्थान में और तारीख को इसकी बैठक साधारणतया वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी। परिषद् पर पदनाम से मनोनीत सदस्यों की अवधि परिषद् काल में उनके पद खाली कर देने पर समाप्त हो जायेगी। शेष सभी सदस्य भारत के राष्ट्रपति की इच्छा पर ही कार्यालय में रहेंगे। परिषद् की अवधि की समाप्ति से पूर्व, भारत सरकार द्वारा नाम से नियुक्त किये गये सदस्यों में से रिक्त हुए किसी स्थान को शेष अवधि के लिये ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम से भरा जाय जिन्हें उक्त खाली स्थान के लिये भारत सरकार द्वारा मनोनीत किया गया हो।

4. परिषद् एक सलाहकार निकाय होगा और खेलों, शारीरिक शिक्षा तथा मनोरंजन के सभी पहलुओं को उन्नति वाली विभिन्न समितियों द्वारा सरकार को सलाह देगी।

5. 1. परिषद् की दो राष्ट्रीय स्थायी समितियां होंगी (इसके बाद इन्हें स्थायी समितियां कहा जायेगा), जिनमें, प्रत्येक में 21 सदस्य होंगे, जैसा कि नीचे दिया गया है :-

(i) खेलों के लिये राष्ट्रीय स्थायी समिति।

(ii) शारीरिक शिक्षा के लिये राष्ट्रीय स्थायी समिति।

5. 2. खेलों के लिये राष्ट्रीय स्थायी समिति का गठन इस प्रकार से होगा :-

अध्यक्ष : भारत सरकार द्वारा मनोनीत।

उपाध्यक्ष : -वही-

सदस्य :

1. सभी 6 संसद् सदस्य (4 लोक सभा से और 2 राज्य सभा से) जो कि परिषद् के सदस्य हैं।

2. अध्यक्ष, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल-कूद संस्थान की सोसाइटी (सनाइपस)।

3. अध्यक्ष, भारतीय ओलंपिक संघ (आई० ओ० ए०),।

4. विदेश मन्त्रालय का प्रतिनिधि।

5. भारत सरकार द्वारा मनोनीत एक प्रमुख पत्रकार

6. भारत सरकार द्वारा मनोनीत और खेलों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों में से तीन अन्य व्यक्ति।

7. खेलों के पांच विशेषज्ञ, जो परिषद् के सदस्य भी हों।

8. सदस्य सचिव, शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय में खेलों के कार्यकारी संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सलाहकार।

राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के निदेशक, गैर-सदस्य संयुक्त सचिव की हैसियत से कार्य करेंगे।

5. 3. खेलों की स्थायी समिति की सहायता, एक तकनीकी सलाहकार समिति करेगी, जिसमें सरकार द्वारा परिषद् से मनोनीत 7 सदस्य शामिल होंगे। स्थायी समिति के उपाध्यक्ष, तकनीकी सलाहकार समिति के अध्यक्ष होंगे।

5. 4. शारीरिक शिक्षा की राष्ट्रीय स्थायी समिति का गठन इस प्रकार होगा :

1. अध्यक्ष--शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री।

2. उपाध्यक्ष--भारत सरकार द्वारा मनोनीत।

3. संसद् के वे सभी 6 सदस्य, जो परिषद् में शामिल हों।

4. परिषद् में शामिल, शारीरिक शिक्षा के चार विशेषज्ञ।

5. अध्यक्ष, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा तथा खेल संस्थान की सोसाइटी।

6. परिषद् के सदस्यों में से शारीरिक शिक्षा में रुचि रखने वाले 7 अन्य ऐसे व्यक्ति, जिन्हें भारत सरकार मनोनीत करे।

7. सदस्य सचिव, शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय में खेलों तथा शारीरिक शिक्षा के कार्यकारी संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सलाहकार।

5. 5. खेलों की स्थायी समिति की सहायता एक तकनीकी सलाहकार समिति करेगी, जिसमें भारत सरकार द्वारा परिषद् से मनोनीत 7 सदस्य शामिल होंगे।

शारीरिक शिक्षा की राष्ट्रीय स्थायी समिति के उपाध्यक्ष, इस समिति के अध्यक्ष की हैसियत से कार्य करेंगे।

6. 1. स्थायी समितियों और इस विशेषज्ञ सलाहकार समितियों की कार्यविधि, परिषद् के समान होगी। स्थायी समिति की बैठकें वर्ष में कम से कम तीन बार होंगी, जब कि, शारीरिक शिक्षा की स्थायी समिति की बैठकें वर्ष से कम से कम दो बार होंगी।

6. 2. परिषद्/स्थायी समितियों के तात्कालिक कार्य के सम्बन्ध में भारत सरकार को सलाह देने के लिये, विशेषज्ञ समिति की बैठक अल्प अन्तराल पर होगी।

7. इस संकल्प से (i) सं० एफ० 11-17/59 -पी० ई० 2, दिनांक 17-11-1959, (ii) सं० एफ० 1-5/63-पी० ई० 2, दिनांक 4-6-1963, (iii) सं० एफ० 1-10/64-पी० ई० 2, दिनांक 14-9-1964 (iv), सं० एफ० 1-2/65 पी० ई० 2, दिनांक 12-7-1965 तथा (v), सं० एफ० 1-2/65 पी० ई० 2, दिनांक 1-10-1965, जिसके अन्तर्गत अखिल भारतीय खेल-कूद परिषद् जिसकी अवधि 13 नवम्बर, 1970 को समाप्त हुई द्वारा संशोधित शिक्षा मन्त्रालय का संकल्प संख्या 11-16/58 पी० ई० 2, दिनांक 2 मार्च, 1959 रद्द हो जाता है।

8. परिषद् उसकी स्थायी समिति तथा तकनीकी सलाहकार समिति की सेवा शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय करेगा।

9. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति राष्ट्रपति सचिवालय/भारत सरकार के मन्त्रालय/सभी राज्य सरकारों, भारत के सभी विश्वविद्यालयों, अध्यक्ष भारतीय ओलंपिक मभा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय खेल-कूद संघ, सभी राज्य खेल-कूद

परिवर्तों, निदेशक/राष्ट्रीय खेल-कूद संस्थान, पटियाला, प्रधान-
कार्य, शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, स्वातंत्र्य, अध्यक्ष, राष्ट्रीय
शारीरिक शिक्षा तथा खेल संस्थान की सोसाइटी आदि को
भेज दी जाय।

10. यह भी आदेश दिया जाता है यह संकल्प सर्वसाधारण
की सूचनार्थ भारत के राज-पत्र में भी प्रकाशित किया जाय।

कांति चौधरी, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० ई० आर० बी० 1/70/21/86 :—रेल मन्त्रालय
(रेलवे बोर्ड) के 8 और 30 जुलाई 1970 के संकल्प, सं० ई०
आर० बी० 1/70/21/86 के क्रम में भारत सरकार ने निम्नलिखित
सामाजिक कार्यकर्ताओं को, II-सूत्री कार्यक्रम के कार्यान्वयन में
सहायता देने के लिये नामित किया है :—

- (1) श्री दाउद अली मिर्जा
- (2) श्री राम प्यारे त्रिवेदी
- (3) श्री राम भक्त कपीन्द्रजी
- (4) श्री शशि शेखर वेदक
- (5) बीबी अम्तुण सलाम

सी० एस० परमेश्वरन
सचिव, रेलवे बोर्ड एवं पब्लिक संयुक्त सचिव

सिन्धु व बिजली मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर, 1970

संकल्प

सं० बा० नि० 6(3)/70 :—बिलका झील जो उड़ीसा
राज्य में स्थित है और देश में सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून है,
लगभग 25 किलोमीटर लम्बी एक प्राकृतिक नाली द्वारा समुद्र
के साथ जुड़ी हुई है। तटीय प्रवाह के कारण मुल के स्थानांतरण
और नाली में गोद भर जाने से झील की लवणता घट गई है और
परिणामस्वरूप समुद्र से झील और झील से समुद्र की मछलियों
के स्थानांतरण पर प्रभाव पड़ा है और मानसून के दौरान झील के
पानी का स्तर भी बढ़ गया है जिसमें परिणामस्वरूप किनारे के क्षेत्र
जलमग्न हो गए हैं। झील में समुद्र-जल की मछलियों के पालन
के अनुरक्षण और सुधार के लिये, जिससे बहुत से मछुओं का भरण
पोषण होता है, और मानसून के दौरान सुरक्षित सीमा तक झील
का स्तर कायम रखने के लिये, यह आवश्यक है कि समुद्र के साथ
झील को मिलाने वाली निकास नाली का कारगर ढंग से विकास
करके उस का अनुरक्षण किया जाये। इस उद्देश्य के लिये सिन्धु
व बिजली मन्त्रालय, भारत सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों की
एक समिति का गठन करती है :—

- (1) विकास सलाहकार (पत्तन), अध्यक्ष
संसदीय कार्य, जहाजरानी
और परिवहन मन्त्रालय।

- (2) मुख्य अभियन्ता, सिन्धु विभाग,
उड़ीसा। सदस्य
- (3) निदेशक, केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनु-
संधानशाला, पूना। सदस्य
- (4) निदेशक (जल विज्ञान), केन्द्रीय जल
तथा विद्युत आयोग सदस्य-सचिव

2. यह समिति समुद्र तक बिलका झील की निकास नाली
की बिगड़ती हुई स्थिति से संबंधित समस्या की विस्तार पूर्वक जांच
करेगी, झील से समुद्र तक एक नाली के विकास और अनुरक्षण
के लिये उपाय सुझाएगी और इन उपायों की संभावित लागत और
उनसे होने वाले काम बतायेगी।

3. यह समिति अपनी रिपोर्ट 6 महीने के भीतर देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को उड़ीसा की राज्य
सरकार, योजना आयोग, संसदीय कार्य, जहाजरानी और परिवहन
मन्त्रालय, प्रधान मन्त्री सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी और सैनिक
सचिव के पास सूचनार्थ भेज दिया जाये।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत
के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये और उड़ीसा सरकार से कहा
जाये कि वे आम सूचना के लिये राज्य के राजपत्र में इसे प्रकाशित
कर दें।

बी० एस० बंसल, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० वि० का०-दो० 28 (52)/67 :—इस मन्त्रालय के
सिन्धु आयोग की स्थापना से सम्बन्धित संकल्प संख्या वि० का०
दो०-28(52)/67, दिनांक 1 अप्रैल, 1969, के पैरा 1 में निर्दिष्ट
वर्तमान इन्दराज “श्री के० एस० एस० मूर्ति, विशेषाधिकारी,
सिन्धु व बिजली मन्त्रालय-सचिव” के स्थान पर निम्नलिखित
रखा जाये :—

श्री के० एस० एस० मूर्ति, विशेषाधिकारी, सिन्धु व बिजली
मन्त्रालय-सदस्य सचिव”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प भारत सरकार
के सभी मन्त्रालयों/विभागों तथा सभी राज्य सरकारों/संघीय
क्षेत्रों के प्रशासनों को भेजा जाये।

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र भाग-
1, खण्ड-1 में प्रकाशित किया जाये।

एन० सी० सक्सेना, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० ई० एल० दो -1(8)/69 :—इस मन्त्रालय के संकल्प संख्या ई० एल० दो -1(8)/69, दिनांक 21 अगस्त, 1970 में निम्नलिखित प्रविष्टि कर दी जाये :—

“22. श्री ए० एस० कस्तुरे, संसद सदस्य (लोक सभा) सचिव”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि आदेश उपर्युक्त संकल्प संबंधित सदस्यों, राज्य सरकारों, राज्य बिजली बोर्डों, भारत सरकार के मंत्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, योजना आयोग और महानिदेशक एवं लेखापरीक्षक को प्रेषित कर दिया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

आनन्द स्वरूप शर्मा, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1970

संकल्प

सं० ई० एल० एक : 32(66)/70 :—उत्कर्मंड में 24 और 25 सितम्बर, 1970 को हुए राज्यों के सिंचाई व बिजली मंत्रियों के सम्मेलन में एक संकल्प पारित हुआ (जिस पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मैसूर और हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधियों ने असहमति प्रकट की) कि विकास को तेजी से बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिये देश में प्रतिष्ठापित विद्युत-उत्पादन क्षमता में द्रुत गति से वृद्धि करने की आवश्यकता और इस संदर्भ में बृहदाकार संयंत्र (जिनसे विशाल क्षेत्रों में विद्युत की सप्लाई किफायती ढंग से हो जाती है) प्रतिष्ठापित करने की विश्व की सामान्य प्रवृत्ति का अनुसरण करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और साथ ही एक राष्ट्रीय ग्रिड के प्रचालन के लक्ष्य की दृष्टि से, भारत सरकार को एक समिति की स्थापना करनी चाहिये जो क्षेत्रीय अभिकरणों के माध्यम से केन्द्रीय विद्युत-उत्पादन के सभी पहलुओं की जांच करे। राज्यों के सिंचाई व बिजली मंत्रियों के सम्मेलन की इस सिफारिश के अनुसरण में, निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति एतद्वारा नियुक्त की जाती है जो क्षेत्रीय अभिकरणों के माध्यम से केन्द्रीय विद्युत-उत्पादन के सभी पहलुओं की जांच करेगी :

1. सचिव, सिंचाई व बिजली मन्त्रालय अध्यक्ष
2. उपाध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग सदस्य
3. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, सार्वजनिक निर्माण विभाग सदस्य
4. सचिव, बिहार सरकार, सिंचाई व बिजली विभाग सदस्य
5. सचिव, केरल सरकार, जल एवं विद्युत विभाग सदस्य
6. सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, सिंचाई व बिजली विभाग सदस्य
7. सचिव, असम सरकार, बिजली, ज्ञान एवं जनित विभाग सदस्य

8. वित्त मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि सदस्य
9. विधि मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि सदस्य
10. श्री बी० एन० बालिगा, अध्यक्ष (विद्युत), योजना आयोग सदस्य
11. निदेशक, सिंचाई व बिजली मन्त्रालय सदस्य-सचिव समिति अपनी रिपोर्ट छः महीने के भीतर प्रस्तुत करेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रतियां व्यापक प्रचार के लिये सभी राज्य सरकारों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एन० सी० सक्सेना, संयुक्त सचिव

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1970

सं० एफ० 12(6)/67-प्रशासन -1 :—भारत सरकार ने प्रचार साधनों तथा उनके माध्यम से हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग संबंधी मामलों पर सूचना और प्रसारण मन्त्रालय को सलाह देने तथा समय-समय पर की गई प्रगति को पुनर्विलोकन करने के लिये स्थापित सूचना और प्रसारण हिन्दी समिति को फिर से गठित करने का निर्णय किया है।

2. पुनर्गठित समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

- (1) सूचना और प्रसारण तथा संचार मन्त्री अध्यक्ष
- (2) सूचना और प्रसारण राज्य मन्त्री उपाध्यक्ष
- (3) श्री शंकर प्रसाद, संसद सदस्य, लोक सभा सदस्य
- (4) डा० गोविन्द दास, संसद सदस्य, लोक सभा सदस्य
- (5) श्री एम० एस० भूति, संसद सदस्य, लोक सभा सदस्य
- (6) श्री दिगम्बर सिंह चौधरी, संसद सदस्य, लोक सभा सदस्य
- (7) श्री बलराम दास, संसद सदस्य, राज्य सभा सदस्य
- (8) श्री गंगा सरन सिन्हा, संसद सदस्य, राज्य सभा सदस्य
- (9) श्री अक्षत गोपाल शेवडे, संपादक 'नागपुर सवस्य टाइम्स' नागपुर
- (10) श्री रतन लाल जोशी, संपादक 'हिन्दु-स्तान' कनाट-सर्कस, नई दिल्ली सदस्य
- (11) श्री जी० पी० नैने, सचिव राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, पूना सदस्य
- (12) श्री रेवती रंजन सिन्हा, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, बंगाल शाखा, हलघाट परार रोड, कलकत्ता सदस्य

- (13) प्रोफेसर ए० सी० समाधीराव हिन्दी सदस्य
विभागाध्यक्ष क्रिश्चियन कासेज, मद्रास
- (14) प्रो० एन नागप्पा, 1616 बी०, काम सदस्य
होसाकेरी, मैसूर-4
- (15) श्रीमती वासुदेवन पिल्ले, सचिव त्रैवकोट, सदस्य
हिन्दी प्रचार सभा, त्रिवेन्द्रम ।
- (16) प्रो० पृथ्वीनाथ पुष्प, निदेशक, म्यूजियम सदस्य
एंड स्टेट आरकियोलॉजी, जम्मू तथा
कश्मीर सरकार, श्रीनगर
- (17) श्री बी० पी० राधवाधारी, एम० एल० सदस्य
सी०, 169, नई एम० एल० ए० फ्लेट्स०,
एच० फोर्ट एच० डी०, हैदराबाद
- (18) डा० राधानाथ रथ, सान्ता साही, कटक सदस्य
- (19) श्री जेठा लाल जोशी, सचिव राष्ट्र भाषा सदस्य
प्रचार समिति, अहमदाबाद
- (20) श्री आर० सी० प्रसाद सिंह, अरसी सदस्य
नारा मंडल, प्रकाशन मूजफरपुर
(बिहार)
- (21) डा० रामधारी सिन्हा दिनकर, हिन्दी सदस्य
सलाहकार, गृह मन्त्रालय, भारत सरकार
- (22) संयुक्त सचिव, सूचना और प्रसारण सदस्य
मन्त्रालय
- (23) आकाशवाणी महानिदेशक सदस्य
- (24) प्रधान सूचना अधिकारी सदस्य
- (25) विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशक सदस्य
- (26) निदेशक, प्रकाशन विभाग सदस्य
- (27) शिक्षा तथा गृह मन्त्रालयों से एक एक सदस्य
प्रतिनिधि
- (28) सूचना और प्रसारण मन्त्रालय में
हिन्दी सचिव कार्य के इन्चार्ज उप सचिव
समिति आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सदस्य सहयोजित कर
सकेगी ।

समिति को अपने कार्य में सहायता के लिये उप-समितियां नियुक्त करने या किसी अन्य व्यक्ति को सहयोजित करने का अधिकार होगा । समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

आवेश

आवेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ प्रशासित क्षेत्रों के प्रशासकों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों एवं विभागों को भेज दी जाये ।

यह भी आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व साधारण की जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

भगवती सरव सिंह उप-सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्यिक विभाग नियम

नई दिल्ली, दिनांक, 26 दिसंबर 1970

सं० 4/2/70-अ०आई० से० (4) भारतीय वन सेवा में रिक्तियों को भरने के लिये जुलाई, अगस्त, 1972 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम, आम जानकारी के लिये प्रकाशित किए जा रहे हैं—

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा प्रकाशित नोटिस में किया जायगा । अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि से किया जायगा ।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों आदिम जातियों में से किसी एक से है । संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (भाग "ग" के राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950 और संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (भाग "ग" के राज्य आश, 1951, जैसा कि बंबई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियां व अनुसूचित आदिम जातियों की सूचीयां (संशोधन), आदेश, 1956 द्वारा यथा संशोधित संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अहमदनगर और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 ।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट II में निर्धारित विधि से लेगा ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे ।

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या

(ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टेंगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिये।

लेकिन नीचे लिखे उम्मीदवारों को पात्रता-प्रमाणपत्र लेना आवश्यक नहीं होगा :—

(I) जो व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 से पहले, पाकिस्तान से भारत में आ गये हों और तब से आम तौर पर भारत ही रह रहे हों।

(II) जो व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में आ गये हों और जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीयन करा लिया हो।

(III) ऊपर की (च) कोटि के जो गैर-नागरिक, संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आये और तब से लगातार नौकरी कर रहे हैं और जिनके सेवा काल का क्रम नहीं टूटा हो। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के सेवा काल का क्रम टूट गया हो और उसे 26 जनवरी, 1950 के बाद उक्त सेवा में दुबारा नियुक्त किया गया हो तो उसे भी औरों की तरह पात्रता-प्रमाण पत्र देना होगा।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पात्रता-प्रमाणपत्र आवश्यक हों और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने की शर्तों के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

5(क) उम्मीदवार के लिये यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जुलाई, 1971 को 20 वर्ष की पूरी हो गई हो किन्तु 24 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जुलाई, 1947 से पहले और 1 जुलाई, 1951 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में निम्नलिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(2) यदि उम्मीदवार पूर्वी-पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद म भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद पूर्वी-पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडेचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रेंच भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(5) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से

वास्तव में प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(7) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(8) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टेंगानिका तथा जंजीबार) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(9) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा, से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा, से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा

(12) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदि जातियों के हैं।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में छूट किसी भी स्थिति में नहीं दी जायगी।

6. उम्मीदवार के पास कम से कम परिशिष्ट 1 में निम्नलिखित विश्वविद्यालयों में से किसी से प्राप्त वनस्पति विज्ञान, रसायन, भूविज्ञान, गणित, भौतिक और प्राणि-विज्ञान में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि अवश्य होनी चाहिये अथवा कृषि में उनातक उपाधि अथवा इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिये या परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिये।

नोट-1- यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्वालीफाइंग एग्जामिनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता परीक्षा इस परीक्षा के आरंभ होने से पहले समाप्त हो जाय। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य शर्तें पूरी करता

हो, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परंतु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अंतिम मानी जायेगी और यदि वह अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द कर दी जा सकती है।

नोट-II. विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट-III. यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किंतु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट 1 में सम्मिलित न हों तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिशिष्ट 1 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी रूप में पहले ही सरकारी सेवा करता हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग के अध्यक्ष की अनुमति अवश्य लेनी होगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा, जब तक कि उस के पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण पत्र (सर्टीफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये पैरवी करने की कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिये अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।

12. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाही या फेर-बदल किये हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने, परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने के फलस्वरूप अपराधी घोषित किया है तो उसके विरुद्ध दांडिक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाही की जा सकती है :—

(क) सदा के लिये अथवा किसी विशेष अवधि के लिये परीक्षा वारित किया जाना :

(i) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिये आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अंतर्गत नागरिकों के लिये।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षा के इंटरव्यू के लिये बुलायेगा।

14. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम-स्वरूप व्यक्तिगत जांच के लिये सफलता प्राप्त करता है तो उसको अलग से कहा जायेगा कि वह अपनी तरजीह का क्रम गृह मंत्रालय को सूचित करे जिसके अनुसार विभिन्न राज्य संवर्गों में आबंटन के लिये उसके नाम पर विचार किया जाए।

15. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिनने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिये सिफारिश की जायेगी। यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

लेकिन शर्त यह है कि आयोग अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिये आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार योग्य सिद्ध न हो प्रशासन की कुशलता को ध्यान में रखते हुए उस सेवा पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त घोषित कर दे तो उसकी उस सेवा में यथास्थिति अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिये आयोग सिफारिश करेगा।

16. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिये, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये जिससे वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। आयोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा के लिये बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य-परीक्षा के लिये चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क देय नहीं होगा।

नोट :—बाद में निराश न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें : नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस

प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिये स्वास्थ्य स्तर किस प्रकार का होना चाहिये, इसके ध्येय इन नियमों के परिशिष्ट 4 में दिये गये हैं।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग सैनिकों की सेवा(ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जायेगी।

19. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री—

- (क) जिसने किसी ऐसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

इस सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो, उन पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञेय हो, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

20. भारत सरकार को इस बात की स्वतंत्रता होगी कि वह किसी ऐसी महिला उम्मीदवार को, जो विवाहित है, भारतीय वन सेवा में नियुक्ति न करे अथवा नियुक्ति के बाद अगर वह विवाह कर ले तो उससे त्याग पत्र मांग ले, यदि ऐसा करना सेवा की कुशलता बनाये रखने की दृष्टि से आवश्यक हो।

21. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

22. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिये भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त ध्येय परिशिष्ट III में दिया गया है।

एम० आर० भारद्वाज अवर सचिव

परिशिष्ट 1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची (नियम 6 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम ने निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद् के अधिनियम से स्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी है।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय।

मांडले विश्वविद्यालय।

इंग्लैण्ड और वेल्स विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैन्चेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एबरडीन, एडिनबरा ग्लास्गो, और सैट एन्ड्रयूज विश्वविद्यालय।

आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)।

नेशनल युनिवर्सिटी, आयरलैंड।

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बैलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू।

परिशिष्ट 1-क

परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची (नियम 6 के अनुसार)

1. फ्रांसीसी परीक्षा, "Propedentique"
2. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल ऑफ रूरल हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।
3. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।
4. अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का "उच्च पाठ्यक्रम" यदि "पूर्णछात्र" (फुल स्टुडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।
5. भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहृष्टि या शिक्षा-वृत्ति
6. वरिष्ठ सेवाओं और केन्द्रीय सरकार के अधीन पदों पर भर्ती के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ऑल इंडिया कौंसिल फार टेक्निकल एज्यूकेशन) से इंजीनियरी या तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।
7. इंजीनियरों की संस्था (इंडिया) की सह-सदस्यता की परीक्षा के 'क' और 'ख' भाग।
8. लाबोरो कालेज, लेसेस्टर शहर का सिविल या यांत्रिक इंजीनियरी का आनर्स डिप्लोमा, बशर्ते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो।

नोट :—1 में 8 तक की योग्यतायें तब तक स्वीकृत नहीं होंगी, जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम से कम किसी एक में पास नहीं हो :—वनस्पति विज्ञान, रसायन-भू-विज्ञान, गणित, भौतिकी तथा प्राणि-विज्ञान।

परिशिष्ट II**खण्ड I**

लिखित परीक्षा की रूपरेखा—

भारतीय वन सेवा के लिये प्रतियोगिता परीक्षा के विषय :—

(क) लिखित परीक्षा —

- (i) दो अनिवार्य विषय, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान । [नीचे खंड-II का उपखंड (अ) देखें] पूर्णांक : 300
- (ii) निम्नलिखित खंड-II के उपखंड (ख) के दिये गये ऐच्छिक विषयों में से चुने गये विषय इस उपखंड की व्यवस्था के अधीन उम्मीदवार उनमें कोई दो विषय ले सकते हैं । पूर्णांक—400 ।
- (ख) ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के साक्षात्कार के लिये [इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (ख) के अनुसार] बुलाये जायेंगे— पूर्णांक : 200 ।

खण्ड II**परीक्षा के विषय**

अनिवार्य विषय [ऊपर खंड I के उपलब्ध (1) के अनुसार]—

- (अ) (1) सामान्य अंग्रेजी पूर्णांक : 150
- (2) सामान्य ज्ञान " : 150

(ब) ऐच्छिक विषय— [ऊपर खंड I के उपखंड (II) के अनुसार] :

- (1) कृषि-विज्ञान पूर्णांक : 200
- (2) वनस्पति-विज्ञान " : 200
- (3) रसायन " : 200
- (4) सिविल इंजीनियरी " : 200
- (5) भू-विज्ञान " : 200
- (6) कृषि-इंजीनियरी " : 200
- (7) रसायन-इंजीनियरी " : 200
- (8) गणित " : 200
- (9) यांत्रिक इंजीनियरी " : 200
- (10) भौतिकी " : 200
- (11) प्राणि-विज्ञान " : 200

परंतु उपर्युक्त विषयों पर निम्नलिखित पाबंधियां लागू होंगी—

- (i) कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त विषयों (1) और (6) में से दोनों विषय नहीं ले सकता है ।
- (ii) कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त विषयों (3) और (7) में से दोनों विषय ही ले सकता है ।

नोट:—ऊपर लिखे विषयों का स्तर और पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग क में दिया गया है ।

खण्ड III

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी सामान्य में ही लिखने होंगे ।

2. उपर्युक्त खण्ड II के उपखंड (क) और (ख) में उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए 3 घंटे का समय दिया जाएगा ।

3. उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर, अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायगी ।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

5. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे ।

6. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

7. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है ।

8. उम्मीदवारों से तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है । प्रश्नों के उत्तर में जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तौल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए ।

अनुसूची**भाग-क**

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान/इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है ।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग भारतीय विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि (पास) के समान होगा ।

किसी भी विषय में व्यावहारिक परीक्षा नहीं ली जाएगी ।

(1) सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा । अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिनसे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके । सामान्यतः संक्षेप-लेखन या सार-लेखन के लिए अवतरण दिए जाएंगे ।

(2) सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेषण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो । इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए ।

(3) कृषि

उम्मीदवार प्रश्नों के उत्तर (क) और (ख) या (क) और (ग) देंगे ।

(क) कृषि अर्थशास्त्र

कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ तथा क्षेत्र, अध्ययन का तात्पर्य तथा अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, भारतीय आर्थिक स्थिति में

कृषि का महत्व, राष्ट्रीय आय को उसकी देन, अन्य देशों में तुलना, भारतीय कृषि उत्पादन, विक्री, श्रम, उधार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का अध्ययन ।

फार्म प्रबन्ध के अध्ययन के तरीके, इसका अर्थ तथा क्षेत्र, अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से सम्बद्ध धारणाएं तथा फार्म प्रबन्ध के मूल सिद्धांत । फार्म के निर्धारण के प्रकार और तरीके । पृथ्वी, जल, श्रम और साज-सज्जा, फार्म की दक्षता, को मापने के तरीके, फार्म हिसाब-रक्षा के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अभिलेख तथा लेखा, आर्थिक लेखा ।

(ख) शस्य-विज्ञान

फसल उत्पादन—खरीफ की फसलों का विस्तृत अध्ययन, धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, तिल, कपास, सनई, मूंग, उर्द—उनके परिचय सहित बंटन, बपनीय खेत तैयार करना अच्छे प्रकार के बीज बोना और बीजों की दर, मिलाकर बोना फसल काटना और फसल की पैदावार की मात्रा ।

रबी की महत्वपूर्ण फसलों का विस्तृत अध्ययन गेहूं, जौ, चना, सरसों, ईख, तम्बाकू, बेरसीम उनके इतिहास, बंटन, भूमि तथा जलवायु की आवश्यकताएं, बीज की क्या रियों की तैयारी, उत्तम प्रकार की किस्में बोना और बीज की दर, निराई, गुड़ाई, कटाई, भण्डार में रखना फसलों की भौतिक मात्रा ।

घास-पात और घास-पात नियंत्रण, घास-पात का वर्गीकरण, आवास तथा भारत में आवश्यक घास-पात की किस्में । घास-पात द्वारा पहुंचाई जाने वाली हानियां । घास-पात के परिक्षेपण की एजेन्सियां और घास-पात के सांस्कृतिक, जैविक, और रासायनिक नियंत्रण ।

सिंचाई और जल-निकास के सिद्धांत, सिंचाई के जल की आवश्यकता और स्रोत, फसलों को जल की आवश्यकता की मात्रा, साधारण जल की लिफ्टें, जल मान, सिंचाई के जल को व्यर्थ जाने से रोकना, सिंचाई के तरीके और ढंग और प्रत्येक ढंग के लाभ और कमियां — सिंचाई के जल की माप, पृथ्वी की नमी और पृथ्वी की नमी के विभिन्न प्रकार और उनका महत्व । जल-निकास और इसकी आवश्यकता, जल की अधिकता के कारण क्षति पहुंचना, जल निकास के ढंग ।

(ग) मृदा विज्ञान और मृदा संरक्षण

मृदा की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, भूमि के प्रोफाइल, के खनिज कोलाइड्स, धनायन विनियम क्षमता, आधार संतृप्ति प्रतिशत, आयन विनिमय, पोषे की बहोतरी के लिए आवश्यक पोषक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पोषे को पोषक बनाने में उनका कार्य, जैव पदार्थ, इसका गलना, और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव, एसिड और क्षारीय मृदा, उनकी बनावट और भूमि-उधार । भूमि के तत्वों पर आर्गेनिक खादों, हरी खादों और उर्वरकों का प्रभाव । साधारण नाइट्रोजनी फास्फेटिक और पोटेशीय उर्वरकों के गुण ।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रचना, भूमि रंध्रकाश, भूमि संरचना, भूमि जल, भूमि-जल के प्रकार, इसकी रुकने की क्रिया,

भूमि-जल का सुलभ होना तथा भूमि जल का माप । भूमि का ताप-मान भूमि-वायु तथा इसका महत्व । भूमि संरचना, इसके प्रकार तथा भूमि के भौतिक रासायनिक गुणों पर उनका प्रभाव ।

मृदा आकारिकी और मृदा का सर्वेक्षण—भूमि का टूटना मृदा बनाने वाली चट्टानों और खनिजों, मृदा के बनाने में उनका संगठन और महत्व । चट्टानों तथा खनिजों का अपक्षय, मृदप बनने के कारण और रीतियां संसार के महान मृदा-समूह तथा उनका कृषि सम्बन्धी महत्व । भारतीय मृदाओं का अध्ययन । मृदा का सर्वेक्षण तथा वर्गीकरण ।

भूमि-संरक्षण के सिद्धांत—मृदा का अपरदन । अपरदन के कारण, भूमि संरक्षण, शस्य तथा इंजीनियरी के प्रचलित तरीकों से सम्बन्धित मृदा के गुण, कृषि भूमियों के लिए भूमि में जल निकास की आवश्यकताएं तथा प्रचलित तरीके, भूमि-प्रयोग का वर्गीकरण, भूमि-संरक्षण, योजना तथा कार्यक्रम ।

(4) वनस्पति विज्ञान

1. पादप जगत का सर्वेक्षण—पशुओं तथा पादप में अंतर जीवित-प्राणियों के गुण : एक सैल तथा अधिक सैल वाले प्राणी : वाइरस : पादप जगत के विभाजन का आधार ।

2. आकारिका—(i) एक सैल वाले पादप-सैल, इसकी बनावट तथा अंग : सैलों का विभाजन तथा गुणन ।

(ii) अधिक सैल वाले पादप—संवहनी और संवहनी-रहित पादपों के तनों में भिन्नता संवहनी पादपों की बाहरी तथा आंतरिक आकारिकी ।

3. जीवन-इतिहास :—नीचे दिए गए पादपों में से कम से कम एक प्रकार के पादप का अध्ययन :—जीवाणु, साइएनोफाइसी, क्लोरोफाइसी, शैडोफाइसी, फोकोमीसेल्स, एसकोमीसाइट्स, बेसी डाइयोमीसाइट्स, लिबरपोटस, कार्डीयां, टेरीडोफाइट्स, जिम्नोस्पेर्नूज और एंजियोस्पेर्नूज ।

4. वर्गीको—वर्गीकरण के सिद्धांत : एंजियोस्पेर्नूज के वर्गीकरण के प्रमुख ढंग : निम्न प्रजातियों की प्रत्यक्ष आकृतियां तथा आर्थिक महत्व :—ग्रेकीनिया, साइटेमिनाएं, पाम एसीयाएं, लिलीए-साइसी, आरकीडैसाइसी, मोराइसी, लोरेन्थाइसी, मैग्नोलाइसी, लौराइसी, क्रूसीफाए, रोसाइसी, लैंगूमाइनोसाई, सयाइसी, मेलियाइसी, यूफोर्बाइसी, एनाकोडायसी, माहुरटाइसी, अम्बेलीफाई, लेनियाटाई, सोलेनाइसी, रुबियासिआई, कुकुरबास बेसयाई, बरबनाइसी और कम्पोजिट्टाई ।

5. पादप-कामिकी—स्वपोषण, परपोषण, जल तथा पोषक पदार्थों को भीतर लेना, वाष्पोत्सजन, संश्लेषण, खनिज के पोषक पदार्थ, श्वसन, बढ़ना, जनन : पादप । पशु सम्बन्ध, सहजीवन, परजीवन, किण्वक, औक्सीमज, हार्मोन्स, फोटो पैरियोडिज्म ।

6. पादप रोग विज्ञान—पादप-रोगों के कारण तथा उपचार । रोगी—अंग वाइरस, घटी से रोग, रोग से बचाव ।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान—परिस्थिति तथा पादप भूगोल से सम्बन्धित मूल तथ्य, विशेषतया भारतीय क्लोरा तथा भारतीय वनस्पति-विज्ञान क्षेत्रों से सम्बन्धित ।

8. सामान्य जीव विज्ञान-साइटोलॉजी, उत्पत्ति, पाचन प्रजनन, छंटनी, मेन्डलवाद, संकर ओज, उत्परिवर्तन, उत्पत्ति।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—पादपों के आर्थिक प्रयोग, विशेषकर पुष्प पादप, मानव हित के सम्बन्ध में, विशेषकर ऐसे वनस्पति उत्पादन से सम्बन्धित जैसे अन्न, दालें, फल, चीनी और चाबल, तिल, मसाले, पेय तंतु, लकड़ी, रबड़ दवाइयां तथा आवश्यक तेज।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान में सम्बन्धित ज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

(5) रसायन

1. अकार्बनिक रसायन—बोहर का हाइड्रोजन परमाणु प्रतिरूप। इलेक्ट्रॉन, प्रोटीन तथा न्यूट्रॉन आवधिक नियम। अणु केंद्रिक, प्राकृतिक रेडियोरंग कृत्रिम समस्यात्मक। रासायनिक बन्धन की प्रकृति का प्रारम्भिक उपचार। संकर लवण जड़ गैसें। अधिक सामान्य तथा उपयोगी तत्वों तथा उनके योगिकों का रसायन। सामान्य आक्सीडाइजिंग तथा अपचायक। लोहा, ताम्र, अलमो-नियम, सोना, चांदी, निकल, जिंक और सीसा के धातुप्रकर्म। शीशा, सिलिकेट, नाइट्रोजन निर्धारण। वनावटी खादें। लोह व्यवसाय।

गमयानिक विश्लेषण के मूलभूत सिद्धांत।

2. कार्बनिक रसायन—पेट्रोलियम उत्पाद। संतृप्त और असंतृप्त हाइड्रोकार्बन, तीन कार्बन परमाणु के एलीफैटिक श्रृंखला योगिक के सरल व्युत्पन्न का रसायन एल्कोहॉल, एलिफाइट, कीटोन, अम्ल, हेलाइट, ईस्टर, ईथर, अम्ल एनाहाइट्राइट, क्लोराइट, तथा एमाइट। मोनो बेमिक हाइड्रेकिमी, केटोनिक तथा एमोनो अम्ल।

कार्ब-धात्विक योगिक मेलोनिक तथा ऐसीटोऐसीटिक ईस्टर, टारटरिक, साइट्रिक, मैलिक और मुगंधित अम्ल। स्टीरियो और ज्योमेट्रिक आइसोमेनिजम, कार्बोहाइड्रेट स्टार्च और सेल्यूलोज सहित।

कोलतार आसवन की उत्पाद, इसके सरल व्युत्पन्नका बैन्जीन तथा रसायन : टोलीन, एक्सीलीन, फूनपेलज, हेलाइट, नाइट्रो तथा एमीनो योगिक बेनजोइक, सेल्युलोजलिक सिनामिक मेन्ड-लिस्क तथा खल्येनिक अम्ल। एंटीमेटिक, एलडीहाइट्स तथा कीटोन। डाइजो, अजो तथा हाइड्रेक्लो योगिक। एरोमेटिक प्रति स्थापन।

3. भौतिक रसायन—किनैटिक के गैसों के सिद्धांत, वान-डेर वाल कासमीकरण, क्वांटिक अवस्था गैसों का द्रवण। द्रव्यों के कुछ भौतिक गुण, बोलों के विषय में वान्ट हफ के सिद्धान्त से सम्बन्धित ओस्मोटिक दबाव तथा सम्बन्धित गुण। द्रव्यमान अनु-पाती अभिक्रिया का नियम। प्रतिक्रियाओं की दर और क्रम, ताप, प्रतिक्रिया-दरों का गुणांक। इलेक्ट्रोलिसिस, विद्युत अपघटनी चालकता और उसके प्रयोग। आयन संतुलन। आसवाल्ड का तनुता-नियम, जल का आयतन-स्थिरांक, जल अतघटन, विलेयता-उत्पाद। अम्ल और आधार सम्बन्धी लईस की धारणा। उभय-प्रतिरोधी-बिजयन।

सूचकों का पी० एच० मूल्य और सिद्धांत।

कोलाइड्स, लियोफोबिक और लियोफिलिक, उनके सामान्य गुण, अवशेषण। उत्प्रेरण।

विषमशीली साम्य, प्राक्स्था नियम और एक घटकीय तंत्र पर उसका प्रयोग।

क्वांटम परिकल्पना, फोटो रसायन के नियम।

(6) सिविल इंजीनियरिंग

(1) भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण : भवन निर्माण की सामग्री—अंबारती लकड़ी, ईंट, चूना, टाइल, सैंड सुखी, मोर्टार तथा कंक्रीट, धातु तथा कांच—इंजीनियरिंग में प्रयुक्त होने वाली धातु और एनाइल के गुण।

स्ट्रैस तथा स्ट्रेन—सिद्धांत बेंडिंग। डारशन हाइरेन्ट स्ट्रेस, शहतीरों के मुड़ने का इलास्टिक सिद्धांत; केन्द्रीय रूप से बोझा पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव। बेंडिंगमूमेंट और शियर फोर्स के डायग्राम तथा स्थिर और चलायमान दबाव के अधीन शहतीरों का विक्षेप।

(2) भवन निर्माण, जल प्रदाय और सफाई से सम्बन्धित इंजीनियरिंग-निर्माण :—ईंट तथा पत्थर की चिनाई—दीवारों, फर्श तथा छत, जीने, लकड़ी, के फर्श, छतें, दरवाजे, खिड़कियां तैयार करना और प्लास्टर कोने ठीक करना, पेंट तथा वार्निश आदि सम्बन्धित अंतिम कार्य।

स्वायल (भूमिबन्धी) मिकेनिकल-भूमि में सम्बन्धित खोज, भारवहन और भवनों की नीवों से सम्बन्धित ज्ञान—डिजाइन बनाने के सिद्धान्त।

भवन निर्माण सम्बन्धी अनुमान तैयार करना—सिद्धान्त नाप की इकाइयां, भवनों के लिये उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण मदों के विवरण तैयार करना।

जल प्रदाय-पानी के स्रोत, विशुद्धता की मात्रा, शुद्ध करने के ढंग, जल प्रदाय के ढंग, पम्प तथा बूस्टर आदि की रूपरेखा तैयार करना।

साफाई—गंदी नालियों, तूफान से बढ़े हुए पानी के लिये और मकानों के लिये अपेक्षित नालियों की आवश्यकताएं जांचना, सेप्टिक टैंक, इनहाउस टैंक, सीवेज बनाने तथा कचरे को निटाने के लिये खाईयां तैयार करना—एक्टीवेटेड स्लग पद्धति।

(3) सड़क तथा पुलों का सर्वेक्षण तथा एकरेखन (अलाइन-मेंट)—राजपथके लिये अपेक्षित सामग्री तथा उनके उपयोग—डिजाइन के सिद्धान्त—नींव तथा पटरियों के केम्बर, ग्रेडिंग, मोड़ और सुपर एलिवेशन-रिटर्निंग वाल्स।

निर्माण—कच्ची सड़कों, स्थिर तथा पानी से बने हुए मैकेडन सड़कें, बिटुमिनस तलवाली तथा कंक्रीट की सड़कें, सड़कों पर नालियां, पुल—उनके प्रकार, मिकेनिकल स्पेन, आई० आर० सी० लोडिंग, छोटे पुलों के ऊपरी ढांचों के डिजाइन बनाने, पुलों तथा पायर और कुएं बनाने पायर तथा अस्थाधार की नींव के डिजाइन तैयार करने के सिद्धान्त।

प्रकल्पन तैयार करना :—

सड़कों और नहरों के लिये खुदाई का काम।

(4) समरचना इंजीनियरिंग—इस्पात के ढांचे, अनुमत ढांचे सहलीरों, साधारण तथा तैयार किये गये लट्टे और साधारण छत के दृम और गर्डरों के डिजाइन तैयार करना, स्तम्भों के आधार तथा चारों ओर से व बीच से दबाव पड़ने वाले स्तम्भों के लिये ढांचे बनाना-चटकनी लगे, रिपट लगे हुए बैंड किये हुए जोड़ ।

आर० सी० सी० स्ट्रक्चर (ढांचे)-प्रयुक्त सामान का विवरण-अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग आवंटन करना, डिजाइन लोड्स के लिये भारतीय मानक संस्थान के मानक, आर० सी० सी० के पदार्थों में अनुमत स्ट्रेस-जोड़ सीधे और वेडिंग स्ट्रेस के अनुसार हों । साधारण रूप से सहारे के साथ लटकते हुए केन्टी, लीवर लट्टे, चौकार, तथा टी० की शक्ल के लट्टे जो फर्शों, छतों और लिटल में प्रयुक्त होते हैं—चारों ओर से दबाव सहारने वाले स्तम्भ तथा उनके आधार ।

(7) भू-विज्ञान

(1) सामान्य भू-विज्ञान-

भूमि की उत्पत्ति, आयु तथा इसका भीतरी भाग, विभिन्न भू-विज्ञान सम्बन्धी तत्व तथा स्थलाकृति विज्ञान पर उनके प्रभाव । ऋतुएं तथा भू-रक्षण, उनका वर्गीकरण तथा भारत में मिट्टी की श्रेणियां, भारत के भू-विज्ञान के आधार पर उप-खण्ड । पैदावार तथा स्थलाकृति विज्ञान, ज्वालामुखी पहाड़ तथा भूकम्प, तथा पहाड़ों का तल-विरूपण ।

(2) संरचना भू-विज्ञान-आग्नेय सामान्य संरचनायें, मनन नतिलम्बी तथा ढलान, बलना और असमतायें तथा दृश्यांश पर उसके प्रभाव । भू-विज्ञान सम्बन्धी सर्वेक्षण और मानचित्र बनाने के ढंगों का प्रारंभिक ज्ञान, क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान-क्रिस्टल साम्य, क्रिस्टलविज्ञान के नियम तथा क्रिस्टलों की विशेषतायें तथा यमल सम्बन्धी प्रारंभिक ज्ञान । महत्वपूर्ण शैल निर्माण का अध्ययन, जिसमें मृदा के खनिज तत्वों के रासायनिक, गुण, उसके भौतिकी गुण, प्रकाशीय गुण, उसमें परिवर्तन तथा उसके वाणिज्यिक उपयोग ।

(4) आर्थिक भू-विज्ञान-

भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक खनिजों तथा उनके निक्षेपों, कच्ची धातुओं के उद्यम तथा उनके वर्गीकरण से सम्बन्धित अध्ययन ।

(5) पेट्रोलोजी-

आग्नेय, दानेदार और परतदार शैलों का उनके उद्यम और वर्गीकरण सम्बन्धी प्रारम्भिक ज्ञान, सामान्य शैल श्रेणियों का ज्ञान ।

(6) स्तरित शैल विज्ञान—स्तरित शैल विज्ञान के सिद्धान्त, भू-विज्ञान सम्बन्धी रिकार्ड का, अप्प विज्ञान सम्बन्धी तथा काल सम्बन्धी उप-खण्ड । भारतीय स्तरित शैल विज्ञान की मुख्य-मुख्य बातें ।

(7) जीवाश्म विज्ञान—

विकास के सम्बन्ध में जीवाश्म विज्ञान सम्बन्धी तत्व का प्रभाव, जीवाश्म (फासिल), उनके प्रकार तथा संरक्षण के ढंग । आकृति विज्ञान तथा पशु और पौधे जीवाश्म के प्रधान रूपों में उसके वितरण का प्रारंभिक विज्ञान ।

(8) कृषि इंजीनियरिंग

(1) भू तथा जल संरक्षण-

भू-संरक्षण की व्याख्या तथा उसका क्षेत्र । भू-संरक्षण के प्रकार तथा मिनेजिम् (बल विज्ञान) उनके कारण, जल विज्ञान सम्बन्धी चक्र, वर्षा तथा जलवाह, उन पर प्रभाव डालने वाले तत्व तथा उनके आकार, स्ट्रीम गोजिंग, वर्षा से जलवाह का मूल्यांकन, भू-रक्षण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजी-नियरिंग ।

मूल भूत खुले हुए जलमार्गों का बनाना । भू-संरक्षण सम्बन्धी ढांचों, टैरेस, बांध, नालियां तथा घास उगाते हुए पानी के निकास मार्गों के डिजाइन बनाना, बाढ़ नियंत्रण के सिद्धान्त । बाढ़ के पानी के निकास के लिये मार्ग बनाना, फार्म के लिये तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना, नदी के किनारों पर भू-संरक्षण तथा उसका नियंत्रण, वायुजनिक भू-संरक्षण तथा उस पर नियंत्रण । जल संभर की देखभाल के सिद्धान्त ।

नदी घाटी प्रायोजनाओं से सम्बन्धित जांच तथा योजनायें तैयार करना ।

(2) सिंचाई तथा ड्रेनेज-भूमि-जल-पौधों के पारस्परिक सम्बन्ध । सिंचाई के स्रोत तथा प्रकार । लघु सिंचाई प्रायोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करने-जल के उपयोग तथा जल-मान । फसलों के लिये जल सम्बन्धी आवश्यकताओं, सिंचाई के के लिये जल की आवश्यकताओं का परिमाण तथा उसका व्यय । औरफिसिस, नालों तथा नालियों में जल प्रवाह मापने के ढंग, सिंचाई के ढंगों की रूपरेखाएं बनाना । नहरों, खेतों की नालियों, पाइप-लाइनों, हैड गेट, डाइवर्सन बाक्स, स्ट्रक्चर तथा रोड क्रॉसिंग के डिजाइन बनाना तथा उनके निर्माण करना । भूजल प्राप्ति । कुओं की द्रव्य इंजीनियरिंग । कुओं के प्रकार, उनके निर्माण तथा उनकी खुदाई के ढंग, कुओं का विकास । कुओं की टेस्ट करना ।

ड्रेनेज — परिभाषा, जलाक्रान्ति के कारण । ड्रेनेज के ढंग । सिंचाई की जाने वाली भूमि में नालियां बनाना । तल तथा भूमि से नीचे नालियां बनाने के डिजाइन, नालियां तैयार करना ।

(3) निर्माण सामग्री, -निर्माण सामग्री के प्रकार-उनके गुण । टाइमर, बिकवर्क तथा आर० सी० कंस्ट्रक्शन, सहलीरों, छतों के जोड़ तथा स्तम्भों के डिजाइन तैयार करना । फार्म स्टेज की योजना बनाना । फार्म हाउस, मवेशी खाने तथा भंडार के लिये ढांचों का डिजाइन बनाना । ग्रामीण जल प्रदाय तथा सफाई ।

(4) फार्म विद्युत तथा मशीनरी ।

भिन्न-भिन्न प्रकार के आंतरिक कंबेशन इंजिन लगाना, आंतरिक कंबेशन इंजिनों के वातानुकूलन तथा नियंत्रण तथा उनमें तेल डालना और उनके लिए जलने की सामग्री उपलब्ध करना । ट्रैक्टरों चैसी, ट्रांसमिशन और स्टेयरिंग के भिन्न भिन्न प्रकार । प्राथमिक तथा माध्यमिक जुताई के लिये कृषि की मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गुड़ाई के औजार आदि । पौधों के संरक्षण का सामान । फसलों की कटाई, अनाज गहाने के औजार । भूमि के विकास के लिये मशीनरी, संप और पॉपिंग मशीनरी ।

(5) बिजली तथा ग्रामों में बिजली उपलब्ध करना—

बिजली तैयार करना तथा उसका वितरण । ग्रामों में बिजली लगाने के लिये बिजली का वितरण । ए० सी० तथा डी० सी० सर्किट ।

फार्मों में बिजली के उपयोग । कृषि में प्रयोग होने वाले बिजली के मीटर, उनके प्रकार सम्बन्धी चयन, उन्हें लगाना तथा उनकी देखरेख ।

(9) रसायन इंजीनियरिंग

1. परिवहन की घटनायें (स्थिर स्थिति के आधीन)

(क) मोमेंटम ट्रांसफर : (i) फूलों के विभिन्न ढंग तथा उनके मापदण्ड ।

(ii) वैलोसिटी प्रोफाइली ।

(iii) फिक्सेशन, मेडीमेटेशन, सैट्रीफ्यूज ।

(iv) तरल पदार्थों में ठोस पदार्थों का बहाव ।

(ख) उष्म स्थानांतरण, उष्म स्थानांतरण के विभिन्न ढंग । चपटे, बेलनाकार, वर्गाकार, एकमात्र, तथा मिश्रित, शीशों की तहों के लिये गति मापना ।

कन्वैक्शन—फेसर्ड और प्री कन्वैक्शन में प्रयुक्त विभिन्न डाइ-मेशन रहित ग्रुप । अलग अलग तथा पूर्ण रूप से स्थानांतरण का रूप निर्धारित करना । वाष्पीकरण—विकीरण—स्टेफन बोल्ट्जस का नियम—एमिसिविटी तथा एब्जोर्विविटी । ज्योमेट्रीकल शेप फैक्टर, भट्टियों में उष्मा के दबाव का हिसाब लगाना ।

(ग) संहति स्थानांतरण, गैसों तथा तरल पदार्थों का विसरण । एब्जोर्प्शन, डिजोर्प्शन, ड्यूमिलिफिकेशन, डीह्यूमिलिफिकेशन, ड्राइंग तथा डेज्यूलेशन । मोमेंटम हीट तथा भाप और ट्रांसफर के भेद—

2. थर्मोडायनेमिक्स

(क) थर्मोडायनेमिक्स के प्रथम, द्वितीय और तृतीय नियम ।

(ख) इन्टरनल एनर्जी, एन्ट्रॉपी, एन्थाल्पी और फ्री एनर्जी का निर्धारण । राजातीय तथा विजातीय सिद्धान्तों के लिये केमिकल इक्विलिब्रियम कांस्टेंट निर्धारित करना । कंक्रेशन, डिस्टिलेशन तथा उष्मा स्थानांतरण में थर्मोडायनेमिक्स का उपयोग । तरल पदार्थों, ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के सिद्धान्त तथा मेकेनिज्म ।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरिंग

(i) फेनेटिक्स, सजातीय और विजातीय प्रतिक्रियाएं प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रतिक्रियाएं । बैच तथा फ्लोरियेक्टर तथा उनके डिजाइन ।

(ii) केटेलेसिस—केटेलेसिस का चुनाव, तैयारी

मेकेनिज्म पर आधारित केटेलेसिस की मिकेनिक्स (संस्करण) ।

4. ट्रांसपोर्टेशन-सामग्री, विशेषतः पाउडरों, रेजिन, उड़ जाने वाले तथा उड़ने वाले तरल पदार्थों एमल्शन और डिसपर्शन, पंपों, कंप्रेसरों तथा ब्लोबर एकत्रित करना तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना । मिक्सर—तरल—तरल, ठोस—तरल, ठोस-ठोस, के लिये विभिन्न मिक्सर मिलाने का सिद्धान्त तथा प्रक्रिया ।

5. सामग्री—वे मामले जिनसे रसायनिक उद्योग में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है । धातु, एलाय सेरेमिक

प्लास्टिक तथा रबर । इमारती लकड़ी तथा उससे बनी चीजें, प्लाई वुड, लेमिनेट । बाट और वेरलों के निर्माण के लिये उपकरण तैयार करना ।

6. इन्स्ट्रुमेंटेशन तथा प्रक्रिया नियंत्रण—हाइड्रोलिक, न्यू-मेटिक, थर्मल ऑप्टिकल मैग्नेटिक, इलैक्ट्रिकल तथा इलैक्ट्रोनिक्स औजार । नियंत्रण तथा नियंत्रण के ढंग । आटोमेशन ।

10. गणित—

(1) बीजगणित, त्रिकोणमिति तथा निर्धारक सहित समीकरण का सिद्धान्त, विभुद्ध, प्लेन ज्यामिति तथा दो आयामों की विश्लेषणात्मक ज्यामिति डिफ्रेंशियल तथा इन्टीग्रल कैलकुलस तथा डिफ्रेंशिया समीकरण ।

(4) स्टेटिक्स/डायोमिक्स और हाइड्रोस्टेटिक्स

अथवा

सांख्यिकी

11. मिकेनिकल इंजीनियरिंग

(1) पदार्थों की शक्ति ।

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन—टुक का नियम ।

1. पदार्थों की मजबूती—

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन—टुक का नियम तथा इलास्टिक कांस्टेन्स के बीच के सम्बन्ध—टेंशन व कंप्रेशन में कम्पाउंड बान तथा तापमान में परिवर्तन के कारण हुए स्ट्रेस ।

साधारण लदान के लिये मामूली सहारे के साथ लटके हुए और केटोलीवर बीम्स में बेंडिंग मूमेंट, शीयर फ़ोर्स तथा डिफ्लेक्शन राउंड बार्स में टार्शन—शैफ्ट्स द्वारा विजली का ट्रांसमिशन-स्प्रिंग्स ।

कम्बाइंड बेंडिंग और डायरेक्ट स्ट्रेस तथा कम्बाइंड बेंडिंग व टोर्शन के सामान्य मामले ।

फ्रेयोर की इलास्टिक थ्योरी—स्ट्रेस कंसेंट्रेशन तथा फ्रेटींग ।

2. मशीनों और मशीन डिजाइन का सिद्धान्त ।

मशीनों के पुर्जों की सापेक्ष वैलोसिटी ग्राफ तथा हिसाब लगाकर दिखाना ।

इंजनों के क्रैंक एफ़्टर्ट डायग्राम—फ्लाई-व्हील्स की गति के अन्तर गवर्नर्स । बैल्ट-ड्राइव द्वारा ट्रांसमिट की गई बिजली । जर्नेल्स तथा थ्रस्ट बीयरिंग, बाल तथा रोलर बीयरिंग्स का फ्रिक्शन तथा ल्यूब्रीकेशन । फार्मनिंग और लोकिंग डिवाइस के डिजाइन बनाना । रिवेट लगाये हुए, पेच के साथ अथवा बोल्ट करके कसे हुए जोड़ों और फासनिंग के लिये मात्राएं ।

3. प्रयुक्त थर्मोडायनेमिक्स—

फ्यूएल-कंक्रेशन (दहन) एयर सप्लाई—फ्यूएल तथा एक्जोम्ट गैसों का विश्लेषण ।

बोइलर्स, सुपरहीटर्स तथा इकोनोमाइजर्स—बोइलर सार्जेंटिंग्स तथा एक्सेसेरीज—बोइलर ट्रायल ।

वाष्प के भौतिक तत्व—वाष्प सम्बन्धी मारणियां तथा उनके उपयोग ।

थर्मोडायनेमिक्स के नियम—गैर सम्बन्धी नियम—गैसों का विस्तार तथा संपीडन—एयर कम्प्रेसर्स ।

आदर्श तथा वास्तविक इंजन क्रम—तापमान का उपयोग—
एंट्रोपी तथा प्रेसर-वोल्यूम के चार्ट तथा डायग्राम ।

साधारण वाष्प इंजन तथा आन्तरिक दहन वाले इंजन ।

इंडीकेटर तथा इंडीकेटरों के आयाग्राम—मिकेलिकल ।
थर्मल एयर स्टैंडर्ड और वास्तविक दक्षताएं—सामान्य निर्माण—
इंजन की ट्रायल तथा हीट बैलेस ।

4. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग

आम मशीन टूल—लैथो, शेयर, प्लेनर, ड्रिलिंग मशीनों के
सिद्धांत तथा डिजाइन फीचर—मिलिंग मशीनें—ग्राइंडिंग मशीनें—
जिग तथा फिकस्चर । धातुओं को काटने के औजार—टूल मेटिरियल
—टूल ज्यामिति ।

कटिंग फोर्सेज—गैब्रामिब व्हील्स ।

वैल्विंग-फोर्सेज वेल्डेब्रिलिटी तथा विभिन्न वैल्विंग प्रक्रि-
याएं—वैल्वों को टेस्ट करना ।

फॉर्मिंग प्रोसेस—धातुओं का मॉल्डिंग, कास्टिंग, फॉजिंग,
रोलिंग तथा ड्राइंग ।

मेट्रोलोजी—लाइनियर तथा एंगुलर परिमाण—मॉर्फेस फिनिश
—आप्टिकल इन्स्ट्रुमेंट्स ।

उद्योग इंजीनियरिंग—मैथड स्टडी एण्ड वर्क मैनेजमेन्ट—
मोशन-टाइम सम्बन्धी विवरण—वर्क सैम्पलिंग—जाव का मूल्यांकन
—वेतन तथा प्रोत्साहन—आयोजन नियंत्रण तथा प्लान्ट की रूप-
रेखा तैयार करना ।

5. फ्लूइड मिकेनिक्स (तरल यांत्रिक) तथा जल शक्ति ।

बर्मूनी का समीकरण—सूविंग प्लेट तथा वेन—पम्प तथा
टर्बाइन । डिजाइन ऐप्लीकेशन्स और विशिष्ट वक्र, समानता के
सिद्धांत, गर्बिंग—हाइड्रोलिक एकुमुलेटर तथा इंटेंसिव फायर—
फ्रेन तथा लिफ्ट—सर्व टैंक तथा स्टोरेज रिजर्वायर ।

12. भौतिकी

पदार्थ और यांत्रिकी के सामान्य गुण—

एक तथा आयाम, स्कैलर एण्ड वेक्टर क्वांटिटीज, जड़त्व की
गति, कार्य, ऊर्जा, संवेग । यांत्रिकी के आधारभूत नियम, परिष्कृत
गति, गुरुत्वकर्षण, साधारण हार्मोनिक गति, सरल तथा मिश्रित
लोलक, केंद्रम लोलक, प्रत्यास्थता, तल-तनाव, तरल पदार्थों की
विस्कोसिटी, मेकनोडायनामिक्स ।

2. ध्वनि

अवमनित, प्रणोदित तथा मुक्त कम्पन, तरंग गति, डॉप्लर
प्रभाव, ध्वनि तरंगों का वेग, गैस में ध्वनि के वेग पर दबाव, तापमान
तथा आर्द्रता का प्रभाव, डोरियों, बार, प्लेटों तथा गैस स्तम्भ का
कम्पन, विस्पंद, स्थिर तरंगें, वांरगारता-मापन, ध्वनि का वेग तथा
उसकी तीव्रता, स्वर-ग्राम, वास्तविकता में ध्वनिकी, अल्ट्रासोनिक्स के
तत्व । ग्रामोफोन, टोकोज तथा लाउडस्पीकरों के सिद्धांत ।

3. ऊष्मा तथा ऊष्मा-प्रवेगिकी—

तापमान तथा उसकी परिमाण, ऊष्मा विस्तार, गैसों में संतापी
तथा एडियबैटिक परिवर्तन, विशिष्ट ऊष्मा तथा ऊष्मता—चालकता,
क्रियिक के पदार्थ सम्बन्धी सिद्धांत के तत्व, बोल्ड्समैन के वितरण-
नियम के बारे में भौतिक विचार, वान-डर-वाल्स का स्टेट्स समीकरण,

जूल-थांप्सन का प्रभाव । गैसों तरल रूप देना, ऊष्मा-इंजन,
कार्नाट का प्रमेय, ऊष्मा-प्रवेगिकी के सिद्धांत तथा उनका सरल
प्रयोग, ब्लैक बाडी रेडिएशन ।

4. प्रकाश

रेखिकीय काशिकी । प्रकाश का वेग । सम तथा गोनीय
पृष्ठ पर प्रकाश का परावर्तन तथा अपवर्तन, चाक्षुष प्रतिबिम्ब में
दोष तथा उनका सुधार, नेत्र तथा अन्य चाक्षुष साधन, प्रकाश
तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण, सरल व्यक्तिकरण भाषी, विवर्तन,
विवर्तन-प्रतिग, प्रकाश का ध्रुवण, स्पेक्ट्रम विज्ञान के तत्व ।

5. विद्युत तथा चुम्बकत्व

साधारण मामलों में क्षेत्र तथा शक्ति की गणना : गोसका
प्रमेय तथा उसके सरल प्रयोग, इलेक्ट्रोमीटर । किसी क्षेत्र के लिए
अपेक्षित ऊर्जा, पदार्थ के विद्युत तथा चुम्बकत्व सम्बन्धी गुण,
गैडिलम, चुम्बकीयतातयाधारता । विद्युत धारा के कारण जनित
चुम्बकत्व, गतिमान चुम्बक तथा काइल गल्वेनोमीटर, धारा तथा
संघर्षण का परिमाण, प्रतिक्रियात्मक सर्किट तत्वों के गुण तथा उनका
निर्धारण, ऊष्मा-विद्युत प्रभाव, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन, ए०
सी० करंट, ट्रांसफार्मर और मीटरों का उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक बाल्व
तथा उनके साधारण प्रयोग ।

बोहर के ऐटम सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रॉन, कैथेड किरणें तथा
एक्सरेज । इलेक्ट्रॉनिक चार्ज तथा मास का परिमाण ।

13. प्राणी-विज्ञान

पशु जगत का मुख्य-मुख्य दलों में वर्गीकरण, विभिन्न श्रेणियों
के विशिष्ट लक्षण ।

निम्नलिखित नान-काउंट के ढांचे, आदतें तथा जीवन विवरण :

बमोणता, मलेलियल-परजीवी, स्पंज, हाइड्रा, लिबरफ्यूक,
टेपवार्म, राउंडवार्म, अर्थवार्म, लीच, काकरो, घर में मक्खी-मच्छर,
बिच्छू, फेशवार्टर मसल, पौन्ड स्तेल तथा स्टाफिश (केवल बाहरी
विशिष्टताएं) ।

कीटों का आर्थिक महत्व, निम्नलिखित कीटों का जीवन-विवरण
तथा बायोनोमिक्स : टर्माइट, टिड्डी, शहद की मक्खी तथा रेशम के
कीड़े ।

घोरडेटा का वर्गीकरण ।

निम्नलिखित चौडेट श्रेणियों का ढांचा तथा उनकी तुलनात्मक
शरीर रचना :

ब्रांक्योस्टोमा, स्कोलीडोन, मेंढक, यूरोमेस्टिक्स या अन्य
कोई छिपकली (बेगनस का पंजर), कबूतर (पक्षियों का पंजर),
तथा खरगोश, चूहा, गिलहरी । मेंढक और खरगोश के संदर्भ
में पशुशरीर के विभिन्न भागों की हिस्टोलोजी तथा फिज्योलोजी,
एंडोरीन गलैण्ड तथा उनके कार्य का प्रारंभिक ज्ञान ।

मेंढक तथा कुक्कुट के शारीरिक ढांचे के विकास तथा मम्मे-
लियन प्लेसेंटा के कार्य सम्बन्धी ज्ञान ।

विकास, नसलों के भेद, सम्मिलन, रीकेपीचुलेशन के सामान्य
सिद्धांत मेंडेलियन ।

विकास और नसलों की भिन्नता के सामान्य सिद्धांत, अनुकूलन, प्रत्यास्मरण-परिकल्पना, मेंडेल की वंशानुगति, पुनर-जनन के यौन-भिन्न तथा-यौन प्रकार, अनिर्णय जनन, कार्यान्तरण।

भारतीय पशुजगत के विशिष्ट मन्दर्भ में, पशुओं का कवक विज्ञान और भू-विज्ञान सम्बन्धी वर्गीकरण।

भारत के धन्य प्राणी, जिसमें जहरीले और बिना जहर वाले और ओबिट पक्षी शामिल हैं।

भाग-ख

व्यक्तित्व परीक्षा—एक बोर्ड उम्मीदवार का इंटरव्यू लेगा। इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जाएंगे। यह इंटरव्यू इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिए उम्मीदवार ने आवेदन-पत्र दिया है, उसके। उनके लिए वह व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय से की जाती है। मौटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों का, अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण-शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन करने की शक्ति, सन्तुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी आदि की भी जांच की जाती है।

2. इंटरव्यू में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Gross Examination) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। उसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का उदघाटन करने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु यह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।

3. व्यक्तित्व परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं की जाती, क्योंकि इसकी जांच तो लिखित प्रश्न पत्रों में पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-बूझ के साथ रुचि न लें, परन्तु वे उन घटनाओं में भी, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विचार-धाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि ले जो एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा उत्पन्न करती है।

परिशिष्ट-III

(नियम 22 के अनुसार)

भारतीय वन सेवा सम्बन्धी संक्षिप्त व्यौरा (नियम 22 के अनुसार)—

(क) नियुक्तियों पर खर्च पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित

स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी, ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी, से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(च) वेतन-मान—

जूनियर वेतन मान : रु० 400-400-450-30-600-35-670 द० रो० 35-950-

सीनियर वेतन-मान : रु० 700 (छटे वर्ष या उससे पहले) 40-1100-50/2-1250

वनपाल : रु० 1300-60-1600-100-1800

मुख्य वनपाल : रु० 2000-125-2250

वन-महानिरीक्षक : 3000-00 (नियत)।

महंगाई भत्ता : समय-समय पर जारी किये गये आवेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बिताई गई अवधि को समय-मान में वेतन-वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) छुट्टी—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(झ) डाक्टर परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टर परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टर परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(ञ) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-व सेवा-निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ट - 4

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(नियम 18 के अनुसार)

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (Medical Examiners) के लिए भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह, (लिखित रूप में स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि) उक्त उम्मीदवार को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा बढ़ने की संभावना हो।

2. चलने की जांच—उम्मीदवारों को 4 घंटे में पूर्ण होने वाली 2.5 किलोमीटर चलने की जांच में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन-महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा यह जांच करने की व्यवस्था इस प्रकार से की जाएगी कि वह स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड की बैठकों के साथ साथ ही हो।

3(क). भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर (पूरा फैला कर)	फैलाव
से० मी०	से० मी०	से० मी०
163	84	5 (पुरुषों के लिए)
150	79	5 (महिलाओं के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैंड की आदिम जातियों आदि के उम्मीदवारों के लिए, जिनका औसत कद विशेष रूप से कम होता है, कम से कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :-

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपसे में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एड़ियों के पावों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटैक्स आफ दि हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

1. उम्मीदवार की छाती तापने का तरीका इस प्रकार है:-

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगल्स) से लगा रहें और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर के कम के भिन्न फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:- अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :-

(I) सामान्य (जनरल) — किसी रोग या विलक्षणता (एबनॉर्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को ऐसा भ्रंशगण या आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कंटीगुअस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(II) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी) — दृष्टि की तीव्रता का निवारण करने के लिए दो जांचें की जाएंगी, एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जायगी।

चश्मे के बिना नज़र (नेकेट आई विज़न) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नज़दीक की नज़र का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की नज़र		नज़दीक की नज़र	
अच्छी आंख	खराब आंख (ठीक की हुई नज़र)	अच्छी आंख	खराब आंख (ठीक की हुई नज़र)
6/6	6/12	जे० I	जे० II
या			
6/9	6/9		

नोट:—

(1) फंडस परीक्षा—जब कभी सम्भव होगी मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किए जाएंगे।

(2) कलर विज़न—(i) रंगों के सम्बन्ध में नज़र की जांच जरूरी है।

(ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैटर्न के द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हों।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सैकंड	5 सैकंड

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विज़न है। इतिहास की प्लेटों के इन्तेमाल को जिन्हें एड्रिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विज़न की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई याता-यात से सम्बन्धित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विज़न)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परमापी (पैरीमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतौधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतौधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टैंडर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड की ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर सचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडिशनस)

(क) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई बर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रैकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो वे आमतौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भैगापन (स्किवट) द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियत स्टैंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भैगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

8. रक्त-चाप (ब्लड प्रेशर) —

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय में काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर से सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 से ऊपर के डास्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक बीमारी) है (ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत हृल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लोयरेन्स) की जांच भी नेमी रूप से की जानी

चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त-दाब) लेने का तरीका

नियमन: पारेवाले दाबमापी (मर्करी मैनीमीटर) किस्म का आना (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बसते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ-कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रैकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढुंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड उसके दूसरे सभी पद्वतुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव

का समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरा देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई और उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप में तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसूति न हो जाय। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सकर्ता से आरोग्य का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए, उसकी फिर से स्वास्थ्य-परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों में अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बसते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/कहलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे ह या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रफचर (हानिया या फटन) है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकेसील, वैरिकोज शिरा (वेन) या ब्रुसिमीर है या नहीं?

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी मंघियां भनी भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

12. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की ऐक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई शक नहीं है। किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अंदर पेश करना चाहिये वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इस में सम्बन्धित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) को, यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाडिली इन-फार्मिटी) नहीं हैं जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके आयोग्य होने की सम्भावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेन्शन या अदायगीयों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सक्षम के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु मेडि-

कल बोर्ड ने जो खराबी बनाई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार दो बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा:—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटेमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन, पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान
बताएं

2(क) —क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है? “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए, और यदि उत्तर “हां” में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3(क) —क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, गंधियां (ग्लैंड्स का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शैया पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरा दें।

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु स्वास्थ्य की अवस्था	यदि पिता जी की मृत्यु हो चुकी तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जी-वित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	--	--	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि माता की मृत्यु हो चुकी तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण	आपकी—कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनें की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर “हां” हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कान था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा जान-बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो धार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाऊंस) या उपदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास : अच्छा बीच का कम पोषण : पतला औसत मोटा कद (जूते उतार कर) वजन अत्युत्तम वजन कब था ? वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान छाती का घेर

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. रवचा—कोई जाहिरी बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एनिवटी)

(6) फंडस की जांच

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे में चश्मे की पावर गोल सिलि० अक्ष

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया (धक्का) दा० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण सुनना :

दायां कान बायां कान

5. ग्रंथियां थाइराइड

6. दांतों की हालत

7. श्वसन तन्त्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्यौरा दें ?

8. परिसंस्करण तन्त्र (सक्युलरिटी सिस्टम)
(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आर्गेनिक लीजन) ?
.....
गति (रेट) :
खड़े होने पर :
25. बार कुदाए जाने के बाद.....
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद.....
(ख) ब्लड प्रेशर..... मिस्टालिक.....
डायस्टालिक.....
9. उदर (पेट) : पेर..... दाब वेदना (टेंडरनेस)
हनिया.....
(क) दवा कर मालूम पड़ना, जिगर..... तिल्ली.....
गुर्वे..... द्यूमर.....
(ख) बवामीर के मस्से..... फिस्चुला.....
10. तांत्रिक तन्त्र (नर्वससिस्टम) तन्त्र का या मानसिक
अशक्तता का संकेत.....
11. चाल तन्त्र (लोकोमीटर सिस्टम)
कोई विलक्षणता.....
12. जनन-मूत्र तन्त्र (जेनिटो यूरिनरी) सिस्टम।
हाइड्रोसील, बेरिकोसील आदि का कोई संकेत।
मूत्र परीक्षा—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है
(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)
(ग) एल्ब्यूमेन
(घ) शक्कर
(ङ) कास्ट
(च) केसिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर ड्यूटी निभाने के लिए सभी तरह से योग्य पाया गया है ?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच-परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य (फिट)
(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....
(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....
स्थान..... अध्यक्ष (चेयरमैन).....
तारीख..... सदस्य.....
..... सदस्य.....

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th December 1970

No. 61-Pres./70.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Service Medal for gallantry to undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name of the officer and rank

Shri Rustam Ali Khan,
Constable No. 531,
Bankura District
West Bengal.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

One Jaba Chaudhury of Bankura because of his criminal activities had become a source of danger to the public and of grave concern to the police. The local police had mobilised all its resources to apprehend him. Constable Rustam Ali Khan was specially deputed to shadow Jaba Chaudhury. At about 0800 hours on the 24th April, 1966, information about the whereabouts of Jaba Chaudhury was received and Constable Rustam Ali Khan and Constable Narayan Mandal, in plain clothes were deputed to keep a watch till a strong police party arrived to apprehend the outlaws. At about 1800 hours both the Constables took up their positions. Just when Constable Narayan Mandal was about to leave for the Police Station to bring the raid party, he was spotted by an associate of Jaba Chaudhury. Sensing danger, Constable Narayan Mandal overpowered and apprehended him. The associate of Jaba Chaudhury whistled for help and Jaba Chaudhury jumped out of his hiding and whipped out a pistol. In the meantime, Constable Rustam Ali Khan had reached the place. He hit with a lathi on the hand of Jaba Chaudhury in which he was holding the loaded pistol but the pistol did not drop. Jaba Chaudhury fired two rounds at Constable Rustam Ali Khan, as a result of which he died on the spot.

Constable Rustam Ali Khan displayed conspicuous courage and laid down his life, while discharging his duties.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th April, 1966.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-1, the 9th December 1970

No. 17/12/69-P.VI(Pers.I).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Police Academy (Gazetted Staff) Recruitment Rules, 1959, namely :—

1. (i) These rules may be called the National Police Academy (Gazetted Staff) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. After Rule 3 of the Recruitment Rules published vide this Ministry's Notification No. 21/17/58-P.III(A), dated the 8th October 1959, the following new Rules i.e. Rule 4 may be added :—

4. Power to Relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons/post.

K. THYAGARAJAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE RESOLUTION

New Delhi, the 30th November 1970

No. 12/43/70-Tex.(A).—The Government of India have decided to appoint the following as members of the Cotton Textiles Consultative Board as re-constituted by their Resolution No. 29/2/69-Tex.(A), dated the 4th July, 1969, published in the Gazette of India Part I, Section 1 on 4th July, 1969 :

1. The President, All India Federation of Co-operative Spinning Mills.
2. The Chairman/Managing Director, Cotton Corporation of India.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated all State Governments, All Union Territories, all Ministries of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, the Private and Military Secretaries to the President, the Planning Commission, Cabinet Secretariat, the Comptroller and Auditor General of India, Central Board of Direct Taxes, Central Board of Excise and Customs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats, Library of Parliament and the Textile Commissioner, Bombay.

H. K. BANSAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING

New Delhi, the 19th November 1970

ORDER

No. SC(I)-5(2)/70.—In terms of the Resolution No. SC(I)-5(2)/70, dated November 19th, 1970 the Government of India hereby nominates the following persons to be members of the Iron & Steel Advisory Council :—

1. President, Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry, Federation House, New Delhi or his nominee.
2. President, The Associated Chambers of Commerce & Industry of India, Royal Exchange, Calcutta-1 or his nominee.
3. Six representatives of Hindustan Steel Limited, Ranchi, to be nominated by Hindustan Steel Limited.
4. One Representative of Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, Dhanbad (Bihar).
5. Two Representatives of Tata Iron & Steel Company, 43 Chowringhee Road, Calcutta-16 to be nominated by the Tata Iron & Steel Company.
6. Two Representatives of Indian Iron & Steel Company Limited, 12-Mission Row, Calcutta-1 to be nominated by the Indian Iron Steel Company.
7. Managing Director and Vice Chairman, Mysore Iron & Steel Limited, Bhadravati, Mysore State.
8. Two Representatives of Steel Re-rolling Mills Association of India, 2-Brabourne Road, Calcutta to be nominated by Steel Re-rolling Mills Association of India.
9. One Representative of the Indian Engineering Association, C/O Metal Box Company of India Ltd., Allahabad Bank Building, Parliament Street, New Delhi.
10. One Representative of the Indian Foundry Association, India Exchange (7th Floor), India Exchange Place, Calcutta-1.
11. One Representative of the Engineering Association of India, India Exchange (8th Floor), India Exchange Place, Calcutta-1.
12. One Representative of the Steel Merchants Association of India, India Exchange Place, Calcutta-1.
13. Chairman, All India Manufacturers Organisation, Cooperative Insurance Building, Sir Ph.roz Shah Shah Mehta Road, Fort, Bombay-1.

14. One Representative of the Steel Exporters Association, 18-Rabindra Sarani, Calcutta-1, to be nominated by the Steel Exporters Association.
15. One Representative of the Joint Plant Committee, 18-Rabindra Sarani, Calcutta-1, to be nominated by the Joint Plant Committee.
16. One Representative of the Metal Scrap Trade Corporation, Limited, P-34, India Exchange Place, Calcutta-1, to be nominated by the Corporation.
17. One Representative of Minerals and Metals Trading Corporation, Express Building, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi, to be nominated by the Corporation.
18. One Representative of the All India Iron & Steel Merchants Federation, Loha Mandi, Motia Khan, Delhi, to be nominated by the Federation.
19. One Representative of the Federation of Associations of Small Industries of India, 23-B/2, Rohtak Road, New Delhi, to be nominated by the Federation.
20. President, All India Iron & Steel Stockholders Federation, Ajmere Gate, Delhi-6.
21. President, Iron Steel & Hardware Merchants' & Manufacturers' Chamber of India Steel Chambers, 403, Loha Bhavan, Frere Road, Bombay-9.
22. Secretary, Joint Working Committee, (Indian Mining Association etc.), 6-Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
23. One Representative of Small Scale Steel Re-rolling Mills Association of Upper India, Mandi Govindgarh.
24. One Representative of West Bengal Rolling Mills Association, Calcutta.
25. One Representative of Iron & Steel Scrap Association of India, 73-Sant Tukaram Road, Bombay-9 BR.
26. Chairman, Steel Wire Mfg. Association of India, India Exchange (8th Floor), India Exchange Place, Calcutta-1.
27. Chairman, Alloy Steel Products Association of India, C/o M/s. Mahindra & Ugin Steel Co. Ltd., 14-A, Attamont Road, Bombay-26-WB.
28. One Representative of South India Iron & Hardware Merchants Association, 99-Armenian Street, Madras-1.
29. Six Representatives to be nominated by the Government.
30. Shri C. R. Ramaswamy, Oriental Building, 108, Armenian Street, Madras.
31. Chairman, Ministry of Railways (Railway Board) or his nominee.
32. Secretary, Ministry of Petroleum, Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines & Metals), New Delhi.
33. Secretary, Ministry of Industrial Development & Internal Trade (Department of Industrial Development), New Delhi.
34. Secretary, Ministry of Foreign Trade, New Delhi.
35. Secretary, Planning Commission, New Delhi.
36. Secretary, Ministry of Parliamentary Affairs, Shipping and Transport (Department of Shipping and Transport), New Delhi.
37. Secretary, Ministry of Defence, Department of Defence Production, New Delhi.
38. Secretary, Ministry of Supply, New Delhi.
39. Financial Adviser, Ministry of Finance (Iron & Steel Division), New Delhi.
40. Director General Technical Development, New Delhi.
41. Director General, Indian Standard Institution, New Delhi.
42. Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
43. Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi.
44. Coal Mining Adviser, Ministry of Petroleum, Chemical and Mines & Metals (Department of Mines & Metals), New Delhi.

Other members to be hereafter specified by the Government of India to represent the Iron & Steel Industry or trade or consumers.

This is in supersession of Order No. SC(I)-24(42)/65, dated September, 21, 1968 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated September 28, 1968.

New Delhi, the 19th November 1970

RESOLUTION

IRON AND STEEL ADVISORY COUNCIL

No. SC(I)-5(2)/70.—The Government of India have decided to reconstitute the Iron and Steel Advisory Council, which was set up in the late Ministry of Steel Mines & Metals Resolution No. SC(I)-18(3)/68, dated September, 21, 1968 as amended from time to time to advise on all matters of a general character relating to iron and steel and in particular to problems pertaining to production, distribution, transport, research, import and export.

2. The composition of the Council will be as follows :

- (i) *Chairman*—Minister of Steel & Heavy Engineering.
- (ii) Two *ex-officio* Members,
 - a. The President of the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry of India or his nominee.
 - b. The President of the Associated Chambers of Commerce and Industry of India, or his nominee.
- (iii) Thirty nine members who are in the opinion of the Government of India capable of representing the interests of the producers, consumers, trade and mining and allied interests.
- (iv) Fourteen representatives of the concerned Ministries of the Government of India.
- (v) Secretary—Ministry of Steel and Heavy Engineering.
- (vi) Six distinguished people concerned with steel and allied interests, to be nominated by Government.
- (vii) Iron & Steel Controller—*Member Secretary*.

3. The Chairman may also specially invite any other person or persons to represent the iron and steel industry or trade or consumers to attend the meeting of the Council.

4. The Council will meet at least once a year.

The Council is constituted for a term of two years.

ORDERED that this may be published in the Gazette of India for general information.

A. N. RAJAGOPALAN, Under Secy.

New Delhi, the 5th December 1970

No. F. 7(15)/69-Admn.I(.).—In supersession of the Ministry of Steel and Heavy Engineering's Notification No. 7(15)/69-Admn.I, dated 11th November, 1970 Shri Gurdas Mal Mutneja, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service Cadre of Ministry of Iron and Steel and officiating as Section officer in the Ministry of Steel and Heavy Engineering relinquished charge of the post of Section Officer with effect from the forenoon of 16th November, 1970.

2. The President is also pleased to appoint Shri Gurdas Mal Mutneja, a permanent officer in Grade IV of the Central Secretariat Service cadre of Ministry of Iron and Steel to officiate as Junior Analyst in the Ministry of Steel and Heavy Engineering with effect from the forenoon of 17th November, 1970 and until further orders.

H. L. AHUJA, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING, WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT

(Department of Works, Housing & Urban Development)

New Delhi, the 27th November 1970

No. 2-4/69-UDI.—In pursuance of sub-section (5) of section 23 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) the Central Government hereby approves the issue of Bonds by the Delhi Development Authority in the open market in December, 1970, carrying the following terms :—

Amount of issue :—Rupees One Crore (with right to retain excess subscriptions up to ten per cent of the amount of issue).

Issue Price :—Rs. 99.75 per cent.

Rate of Interest :—5½ per cent per annum.

Currency :—12 years.

Brokerage and underwriting commission in the aggregate :—Not exceeding 50 paise per cent.

2. The Central Government hereby guarantees the repayment of the principal and payment of interest on the aforesaid Bonds to be issued by the Delhi Development Authority.

L. M. SUKHWANI, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 4th December 1970

No. F. 11/1/67-CAI(1).—In continuation of this Ministry Notification No. F. 11/1/67-CAI(1), dated the 25th September, 1970, Shri Gurbachan Singh, Joint Secretary to the Government of Punjab and Shri Ramesh Chander Mathur, Deputy Director and Deputy Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Cultural Affairs and Scientific Research Department, Lucknow are appointed as members of the Central Advisory Board of Archaeology *vice* Shri Manohar Singh Gill and Dr. K. C. Ojha respectively.

A. S. TALWAR, Under Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 9th December 1970

SUBJECT :—*Informal Consultative Committee on National Sports Organisation.*

No. F. 10-42/69-YSI(1).—The Government of India is pleased to extend the tenure of the members of the Informal Consultative Committee on N.S.O. set up *vide* Government of India Resolution No. F. 10-42/69-YSI, dated 29th November, 1969 by one year with effect from 29th November, 1970.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Administrations, Prime Minister's Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, President's Secretariat and all Ministries & Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KANTI CHAUDHURI, Jr. Secy.

RESOLUTION

The 10th December 1970

SUBJECT :—*Establishment of the National Council of Sports and Physical Education.*

No. F. 1-8/68YS-1(2).—Government of India having taken note that it is necessary to have an advisory body at all-India level to advise the Government of India in regard to the promotion and development of sports, games and physical education in all their aspects hereby resolves that a National Council of Sports and Physical Education together with its standing committees and technical advisory committees (herein after referred as Council, Standing Committee and Expert Committees) shall be established.

2. The headquarters of the Council shall be at Delhi.

3.1. The Council shall have the following composition :

Chairman

1. Union Minister for Education and Youth Services.

Vice-Chairman

2. Minister in charge of Sports and Physical Education in our Ministry of Education and Youth Service.

Members

3. Ministers of Sports and Physical Education of all States and Union Territories.

4. Four Members of Parliament from Lok Sabha (to be nominated by Government of India).

5. Two Members of Parliament from Rajya Sabha (to be nominated by Government of India).
6. Education Secretary.
7. Financial Adviser.
8. Chairman, University Grants Commission.
9. Chairman, Inter-University Board.
10. Chairman, Society for National Institutes for Physical Education and Sports (SNIPES).
11. President, Indian Olympic Association.
12. President, Services Sports Control Board.
13. President, Schools Games Federation of India.
14. Chairmen of a few National Sports Federations, as may be nominated by the Government of India.
15. Five experts in sports as may be nominated by the Government of India by name.
16. Five experts in physical Education as may be nominated by the Government of India by name.
17. Ten promoters and persons interested in sports and Physical Education as may be nominated by the Government of India.

Member-Secretary

18. Joint Secretary/Joint Educational Adviser incharge of Sports and Games in the Ministry of Education.

3.2. The tenure of the Council shall be for a period of three years from the date of publication of the resolution in the Gazette of India.

3.3. It shall ordinarily meet at least once every year at a place and on a date to be fixed by the Chairman. The members of the Council appointed to it by designation shall cease to remain members during the term of the Council if they had vacated the office. All other members will remain in office during the pleasure of the President of India. Any vacancy arising from amongst the members appointed by Government of India by name before the expiry of the term of the Council shall be filled for the remainder of the term by such other person as may be nominated by Government of India for that vacancy.

4. The Council shall be an Advisory Body and shall advise the Government through its various Committees on Promotion of Sports, Games, Physical Education and Recreation in all aspects.

5.1. The Council shall have two National Standing Committees (herein after referred as Standing Committees) consisting of 21 members each as under :—

- (i) National Standing Committee for Sports.
- (ii) National Standing Committee for Physical Education.

5.2. The composition of the National Standing Committee for Sports shall be as follows :—

Chairman

To be nominated by Government of India.

Vice-Chairman

To be nominated by Government of India.

Members

1. All the Six Members of Parliament (Four from Lok Sabha and two from Rajya Sabha) who are members of the Council.
2. Chairman, SNIPES.
3. President, IOA.
4. Representative, Ministry of External Affairs.
5. One eminent journalist, to be nominated by Government of India.
6. Three other members from amongst persons interested in sports—to be nominated by Government of India.
7. Five Experts on Sports who are also members of the Council.

Member-Secretary

8. Joint Secretary/Joint Educational Adviser in the Ministry of Education and Youth Services dealing with Sports and Games.

Director, National Institute of Sports, Patiala shall serve as non-member Joint Secretary.

5.3. The Standing Committee on Sports shall be assisted by a Technical Advisory Committee and will consist of 7 members from the Council to be nominated by the Government. The Vice-Chairman of the Standing Committee on Sports shall be the Chairman of the Technical Expert Advisory Committee.

5.4. The composition of the National Standing Committee for Physical Education shall be as follows :—

Chairman

Minister of State for Education and Youth Services.

Vice-Chairman

2. To be nominated by Government of India.

Members

3. All the Six Members of Parliament who are included in the Council.
4. Four experts in Physical Education included in the Council.
5. Chairman, SNIPES.
6. Seven other persons interested in Physical Education from among of the members of the Council as may be nominated by the Government of India.

Member-Secretary

Joint Secretary/Joint Educational Adviser incharge of, games, sports and Physical Education in the Ministry.

Principal, Lakshmibai College of Physical Education, Gwalior shall serve as non-member Joint Secretary.

5.5. The Standing Committee for Physical Education shall also be assisted by a Technical Expert Advisory Committee consisting of Seven Members of the Council to be nominated by the Government of India.

The Vice-Chairman of the National Standing Committee for Physical Education shall serve as Chairman of this Committee.

6.1. The tenure of the Standing Committees and the Expert Advisory Committees shall be the same as that of the Council. The Standing Committee on Sports shall meet at least three times a year whereas Standing Committee for Physical Education shall meet at least two times a year.

6.2. The expert committees shall meet at short intervals for advising the Government of India with regard to immediate work of the Council/Standing Committees.

7. This resolution supersedes the Ministry of Education Resolution No. 11-16/58- PE-2, dated the 2nd March, 1959, as amended by Resolution (i) No. F. 11-17/59 PE-2, dated 17-11-1959, (ii) No. F. 1-5/63 PE-2, dated 4-6-1963, (iii) No. F. 1-10/64 PE-2, dated 14-9-1964, (iv) No. F. 1-2/65 PE-2, dated 12-7-1965 and (v) No. F. 1-2/65 PE-2, dated 1-10-1965 resolving to establish the All India Council of Sports whose term terminated on the 13th November, 1970.

8. Ministry of Education and Youth Services shall service, the Council and its Standing Committees & Technical Advisory Committees.

ORDER

9. ORDERED that a copy of this resolution be communicated to President Secretariat/Ministries of the Government of India/all State Governments, Universities of India, President, Indian Olympic Association, President, National Sports Federations, all State Sports Councils, Director, National Institute of Sports, Patiala, Principal, Lakshmibai College of Physical Education, Gwalior, Chairman SNIPES, etc.

10. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KANTI CHAUDHURI Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS**(Railway Board)****RESOLUTION***New Delhi, the 10th December 1970*

No. ERBI/70/21/86.—In continuation of Ministry of Railways (Railway Boards) Resolutions No. ERBI/70/21/86, dated 8th July, 1970 and 30th July, 1970, the Government of India have nominated the following Social Workers to assist in the implementation of the Eleven Point Programme :

1. Shri Davood Ali Mirza.
2. Shri Ram Pware Trivedi.
3. Shri Ram Bhagat Kapendraj.
4. Shri Shashishekar Vedak.
5. Bibi Amtus Salam.

C. S. PARAMESWARAN, Secy., Rly. Board &
ex-officio Jt. Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER**RESOLUTION***New Delhi, the 3rd December 1970*

No. FC 6(3)/70.—The Chilka Lake, the largest brackish water lagoon in the country situated in Orissa State, is connected with the sea by a natural channel about 25 km. in length. The shifting of the mouth due to littoral drift and the silting of the channel have resulted in reduction of salinity in the lake affecting fish migration into the lake from the sea and *vice versa* and has also led to rise in lake water level during the monsoons resulting in submersion of areas on the fringe. In order to maintain and improve the breeding of sea-water fish in the lake which supports a large number of fishermen and also to keep the lake level within safe limits during the monsoon, it is necessary to effectively develop and maintain the outlet channel connecting the lake to the sea. For this purpose, the Government of India, in the Ministry of Irrigation and Power, hereby constitute a Committee consisting of the following :

Chairman

- (1) Development Adviser (Ports), Ministry of Parliamentary Affairs, Shipping & Transport.

Members

- (2) Chief Engineer, Irrigation Department, Orissa.
- (3) Director, Central Water and Power Research Station, Poona.

Member-Secretary

- (4) Director (Hydrology), CW&PC.

2. The Committee shall examine in detail the problem of deterioration of the outlet channel of the Chilke Lake to the sea and suggest measures for developing and maintaining a channel from the lake to the sea indicating the likely cost and benefits accruing from such measures.

3. The Committee will give their report within six months.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to the State Government of Orissa, Planning Commission, Ministry of Parliamentary Affairs, Shipping & Transport, Prime Minister's Secretariat and Private and Military Secretary of President for information.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and the State Government of Orissa may be requested to publish it in the State Gazette for general information.

B. S. BANSAL, Jt. Secy.

RESOLUTION*New Delhi, the 5th December 1970*

No. DW.II-28(52)/67.—For the existing entry "Shri K. S. S. Murthy, Officer on Special Duty, Ministry of Irrigation and Power—Secretary", appearing in paragraph 1 of this Ministry Resolution No. DW.II-28(52)/67, dated the 1st April, 1969, setting up the Irrigation Commission, the following shall be substituted :—

"Shri K. S. S. Murthy, Officer on Special Duty, Ministry of Irrigation & Power—Member-Secretary".

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India and all State Governments/Administrations of Union Territories.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

N. C. SAKSENA, Jt. Secy.

RESOLUTION*New Delhi, the 8th December 1970*

No. EL.II.1(8)/69.—The following entry shall be made at serial No. 22 in this Ministry's Resolution No. EL.II.1(8)/69, dated the 21st August, 1970 :—

"22. Shri A. S. Kasture, M.P. (Lok Sabha) Member."

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to the members concerned, the State Governments, the State Electricity Boards, the Ministries of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

A. S. SHARMA, Jt. Secy.

RESOLUTION*New Delhi, the 10th December 1970*

No. EL.I.32(66)/70.—The Conference of State Ministers of Irrigation and Power held at Ootacamund on 24th and 25th September, 1970, passed a Resolution (the representatives of Madhya Pradesh, Maharashtra, Mysore and Himachal Pradesh dissenting) that the Government of India should set up a Committee to examine all aspects of Central generation through Regional agencies, having in view the need to increase, at a rapid rate, the installed generating capacity in the country in order to meet the fast growing requirements of development and the need in this context to follow the general world trend of installing large-sized plants which make for economic supply of power over wide areas and having further in view the objective of operating a national grid. In pursuance of this recommendation of the Conference of State Ministers of Irrigation and Power, a Committee consisting of the following Members is hereby appointed to go into all aspects of Central generation through Regional agencies :

Chairman

1. Secretary, Ministry of Irrigation and Power.

Members

2. Vice-Chairman, Central Water and Power Commission.
3. Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Public Works Department.
4. Secretary to the Government of Bihar, Irrigation and Power Department.
5. Secretary to the Government of Kerala, Water and Power Department.
6. Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Irrigation and Power Department.
7. Secretary to the Government of Assam, Department of Electricity, Mines and Minerals.
8. A representative of the Ministry of Finance.
9. A representative of the Ministry of Law.
10. Shri B. N. Baliga, Chief (Power), Planning Commission.

Member-Secretary

11. Director, Ministry of Irrigation and Power.
- The Committee will submit its report within six months.

ORDER

ORDERED that copies of the Resolution be sent to all State Governments for giving wide publicity.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

N. C. SAKSENA, Jt. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

RESOLUTION

New Delhi-1, the 7th December 1970

No. F. 12(6)/67-Admn.I.—The Government of India have decided to reconstitute "Soochana Aur Prasaran Hindi Samiti" set up to advise the Ministry of Information and Broadcasting on matters relating to the progressive use of Hindi in and through the media of publicity and to review progress made from time to time.

2. The Committee will comprise—

Chairman

1. Minister of Information & Broadcasting and Communications.

Vice Chairman

2. Minister of State for Information and Broadcasting.

Members

3. Dr. Sankta Prasad, M.P., Lok Sabha.
4. Dr. Govind Das, M.P., Lok Sabha.
5. Shri M. S. Murty, M.P., Lok Sabha.
6. Shri Digambar Singh Chaudhari, M.P., Lok Sabha.
7. Shri Balram Das, M.P., Rajya Sabha.
8. Shri Ganga Sharan Sinha, M.P., Rajya Sabha.
9. Shri Anant Gopal Sheware, Editor "Nagpur Times" Nagpur.
10. Shri Ratan Lal Joshi, Editor "Hindustan" Connaught Circus, New Delhi.
11. Shri G. P. Nene, Secretary, Rashtra Bhasha Prachar Samiti, Poona.
12. Shri Revti Ranan Sinha, Rashtra Bhasha Prachar Samiti, Bengal Branch, Haldhar Para Road, Calcutta.
13. Prof. A. C. Kamakshi Rao, Head of the Hindi Department, Christian College, Madras.
14. Prof. N. Nagappa, 1616-V, Cross Hosakeri, Mysore-4.
15. Smt. Vasudevan Pillai, Secretary, Travancore Hindi Prachar Sabha, Trivandrum.
16. Prof. Prithvi Nath Pushp, Director, Museums and State Archaeology, J&K Government, Srinagar.
17. Shri V. P. Raghavachari, M.L.C., 169, New M.I.A. Flats, H. Fort HD, Hyderabad.
18. Dr. Radhanath Rath, Saanta Sahi, Cuttack.
19. Shri Jetha Lal Joshi, Secretary, Rashtra Bhasha Prachar Samiti, Ahmedabad.
20. Shri R. C. Prasad Singh, Arsi Taramandal Parkashan, Muzaffarpur (Bihar).
21. Dr. Ram Dhari Sinha 'Dinkar', Hindi Adviser to the Government of India.
22. Joint Secretary, Ministry of Information and Broadcasting.
23. Director General, All India Radio.
24. Principal Information Officer.
25. Director, Advertising and Visual Publicity.
26. Director, Publications Division.
27. One representative each from the Ministries of Education and Home Affairs.

Secretary

28. Deputy Secretary incharge of Hindi work in the Ministry of Information and Broadcasting.

The Committee may coopt additional members as may be necessary.

3. The Committee will have the power to appoint sub-committees or coopt any other person for assisting it in discharge of its functions. The headquarters of the Committee shall be at New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Administrations, Prime

Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SINGH, Dy. Secy.

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

RULES

New Delhi, the 26th December 1970

No. 4/2/70-AIS-(iv).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in July/August 1971 for the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d) (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens under Article 6 of the Constitution.

- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will however, require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 24 years on 1st July, 1971, i.e., he must have been born not earlier than 2nd July, 1947 and not later than 1st July, 1951.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable:—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics, and Zoology or a Bachelor's degree in

Agriculture, or in Engineering or any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A subject to the condition stipulated therein.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or a temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination units he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for its candidature by any means may disqualify him for admission.

12. A candidate who in the opinion of the Commission has resorted to impersonation or has submitted fabricated documents or has submitted documents which have been tampered with or has made statements which are incorrect or false or has suppressed material information or has otherwise resorted to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or has used or has attempted to use unfair means in the examination hall or has misbehaved in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution:—

(a) be debarred permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Central Government from taking up any employment under them; and

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

14. A candidate who, on the results of the written part of the examination qualifies for the Personality Test will be separately asked to communicate to the Ministry of Home Affairs the order of preferences in which he would like to be considered for allotment to various States.

15. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in

that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for the Service, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, as the case may be, in the Service.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the Candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

20. It will be open to the Government of India, not to appoint to the Indian Forest Service, a woman candidate who is married or to require such a candidate who is not married to resign from the Service in the event of her marrying subsequently if the maintenance of the efficiency of the Service so requires.

21. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

22. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

M. R. BHARDWAJ, Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India (vide Rule 6)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The Dacca University.

The University of Sind.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination

(vide Rule 6)

*1. French-Examination "Propedeutique."

*2. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.

*3. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.

*4. Higher Course of Sri Aurebindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student."

*5. Associateship or Fellowship of the Indian Institute of Science, Bangalore.

6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education, recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under Central Government.

7. Sections A and B of the Associate Membership Examination of the Institution of Engineers (India).

8. Hons. Diploma in Civil or Mechanical Engineering of the Loughborough College, Leicestershire, provided that a candidate has passed the common preliminary examination or has been exempted therefrom.

NOTE.—Qualifications 1 to 5 will not be acceptable unless the candidate has passed the examination with at least one of the subjects namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology.

APPENDIX II

SECTION I

Plan of the Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises:

(A) Written examination in—

(i) two compulsory subjects, viz., General English and General Knowledge [See Sub-Section (a) of Section II below]—Maximum marks: 300

(ii) a selection from the optional subjects set out in Sub-Section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-Section candidates may take any two of those subjects—Maximum marks: 400

(B) Interview for Personality Test (*vide* Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 200.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subjects [*vide* Sub-Section A(i) of Section I above] :—

	Maximum Marks
(1) General English	150
(2) General Knowledge	150

(b) Optional subjects [*vide* Sub-Section A(ii) of Section I above] :—

	Maximum Marks
(1) Agriculture	200
(2) Botany	200
(3) Chemistry	200
(4) Civil Engineering	200
(5) Geology	200
(6) Agricultural Engineering	200
(7) Chemical Engineering	200
(8) Mathematics	200
(9) Mechanical Engineering	200
(10) Physics	200
(11) Zoology	200

Provided that the following restrictions shall apply to the above subjects :

(i) No candidates shall be allowed to take both the subjects at items (1) and (6) above.

(ii) No candidate shall be allowed to take both subjects at items (3) and (7) above;

NOTE.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix

SECTION III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-Sections (a) and (b) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. If a candidate's handwriting is not easily legible a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

8. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science/Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) General English

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

(2) General Knowledge

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

(3) Agriculture

Candidates will be required to answer questions on (A) and (B) or (A) and (C).

(A) Agricultural Economics

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income, comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production, marketing, labour, credit etc.

Nature of study of farm management, its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming-determining factors. Planning for profitable use of land, water, labour and equipment, methods of measuring farm efficiency, nature and purpose of farm book-keeping, farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) Agronomy

Crop Production—Detailed study of KHARIF crops; Paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sun-hemp, Moong, Urd with reference to their introduction, distribution, seedbed preparation, improved varieties sowing and seed-rate, inter-culture, harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops. Wheat, Barley, Gram, Mustard, Sugarcane, Tobacco, Berseem, with reference to their origin, history, distribution, still climatic requirements; seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate interculture, harvesting, storing, physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India, injurious effects and losses caused by weeds, chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principles of Irrigation and Drainage—Necessity and sources of irrigation water, water requirements of crops common water lifts, duty of water, prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantage and limitations of each method. Measurement of irrigation water. Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water, methods of drainage.

(C) Soil Science & Soil Conservation

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange capacity, base saturation percentage, ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter, its decomposition, and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation, and reclamation. Effect of organic manures, green manures and fertilizers on soil properties. Properties of common nitrogenous phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space soil structure soil water, types of soil water, its retention movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil air and its importance. Soil structure its forms and their effect on the physiochemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying—Earth's crust : soil forming rocks and minerals, their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals factors and processes of soil formation; great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation—Soil erosion, factors effecting erosion, soil conservation, soil properties in relation to agronomic and engineering practices, land drainage needs and practices for agricultural lands, land use classification. Soil conservation, planning and programme.

(4) Botany

1. *Survey of the Plant Kingdom*.—Difference between animals and plants: Characteristics of living organism: Unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. *Morphology*.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cells.

(ii) Multicellular plants—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history*.—of at least one members of the following categories of plants:—Bacteria, cyanophyceae. Chlorophyceae Phaeophyceae, Rhodophyceae Phycomycetes, Ascomycetes, Basidiomycetes, Liverworts, Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy*.—Principles of classification: principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—Gramineae Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae, Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelliferae, Labiatae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Verbanaceae and Compositae.

5. *Plant Physiology*.—Autotrophy, heterotrophy, Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plant/animal relation, symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. *Plant Pathology*.—Cause and cure of plant diseases; Disease organisms, Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology*.—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*.—Cytology, Genetics, plant breeding, Mendelism, hybrid vigour, Mutation, evolution.

9. *Economic Botany*.—Economic uses of plants, esp. flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugars and starches oilseeds, spices, beverages fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany*.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

(5) Chemistry

1. Inorganic Chemistry:

Bohr's model of hydrogen atom. Electron, proton and neutron, Periodic law. Atomic nucleus, natural radioactivity. Elementary treatment of the nature of the chemical bond. Complex salts. Inert gases. Chemistry of more common and useful elements and their compounds. Common oxidising and reducing agents. Metallurgy of iron, copper aluminium, gold, silver, nickel, zinc and lead. Glass, silicates, Nitrogen fixation, artificial manures, Steel Industry.

Basic principles of chemical analysis.

2. Organic Chemistry:

Petroleum products, saturated and unsaturated hydrocarbons. Chemistry of simple derivatives of aliphatic chain compounds of three carbon atoms: alcohols, aldehydes, ketones, acids, halides, esters, ethers, acid anhydrides, chlorides and amides. Monobasic hydroxy, ketonic and amino acids Organometallic compounds, malonic and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic, and fumaric acids. Stereo, and geometric isomerism. Carbohydrates, including starch and cellulose.

Products of coal tar distillation, Benzene and the chemistry of its simple derivatives: Toluene, xylene, phenols, halides, nitro and amino compounds, benzoic, salicylic cinnamic

mandolic and sulphonic acids, Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydraxo compounds, Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry:

Kinetic theory of gases. Van der Waal's equation, critical and corresponding states, liquefaction of gases. Some physical properties of liquids in relation to their structure Van't Hoff's theory of dilute solutions; osmotic pressure and related properties. Law of mass action, rate and order of reactions, temperature coefficient of reaction rates. Electrolysis, electrolytic conductance and its applications. Ionic equilibria, Ostwald's dilution law, ionisation constant of water, hydrolysis, solubility product. Lewis concept of acid and base, buffer solutions, pH value and theory of indicators.

Colloids, Lyophobic and lyophilic, their general properties Adsorption, catalysis.

Heterogeneous equilibria, phase rule and its application to one component systems.

Quantum hypothesis, laws of photochemistry.

(6) Civil Engineering

1. Building materials and Properties and Strength of materials—

Building materials—Timber, stone, brick, lime, tile, sand surkhi, mortar and concrete, metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.

Stresses and strains—Hooke's law—Bending. Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary engineering—

Construction—Brick and stone masonry; walls, floors and roofs, stair cases, carpentry in wooden floors, roofs, ceilings, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and barnishing etc.)

Soil mechanics—Soils and their investigations; Bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principles, units of measurement; Taking out quantities for buildings and preparation of abstract of costs—specifications and data sheets for important items.

Water supply—Sources of water, standards of purity, methods of purification, layout of distribution system, pumps and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenances, septic tanks, Imhoff tanks, sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges—

Survey and alignment—Highway materials and their placements—Principles of design—width of foundation and pavement, camber, gradient, curves and super-elevation—Retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam roads, bituminous surfaces and concrete roads. Drainage of roads: Bridges—Types, economical spans, I.R.C. loadings, designing superstructure of small span bridges—Principles of designing foundation of abutments and piers of bridges, pile and well foundations.

Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering—

Steel structures—Permissible stresses; Design of beams, simple and built-up columns and simple roof trusses and girders—column bases and grillages for axially and eccentrically loaded columns—Bolted; riveted and welded connections.

R.C.C. structures—Specifications of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads, permissible stresses in R.C.C. members subjected to direct and bending stresses—Design of simply supported, overhanging and cantilever beams, rectangular and Tee beams in floors, rooms and lintels—axially loaded columns, their bases.

(7) *Geology*1. *General Geology* :

Origin, age and interior of the Earth different geological agencies and their effects on topography; weathering and erosion : Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-divisions of India, Vegetation and topography, Volcanoes, earthquakes, mountains diastrophism.

2. *Structural Geology* :

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. *Crystallography and Mineralogy* :

Elementary knowledge of crystal symmetry, Laws of Crystallography, crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. *Economic Geology* :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits

5. *Petrology* :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. *Stratigraphy* :

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. *Palaeontology* :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

(8) *Agricultural Engineering*

1. *Soil and Water Conservation*.—Definition and scope of soil conservation; Mechanics and types of erosion, their causes, Hydrologic cycle, rainfall and runoff—factors effecting them and their measurements, stream gauging. Evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulics. Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterway. Principles of flood control. Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream bank erosion and its control. Wind erosion and its control. Principles of watershed management.

Investigation and planning in River Valley projects.

2. *Irrigation and drainage*.—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water—Consumptive use. Water requirements of crops. Measurement and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, wires and flumes. Levelling and layout of irrigation systems. Design and construction of canals, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes, structures and road crossings. Occurrence of ground water, Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development. Testing of wells.

Drainage—Definition—causes of water logging. Methods of drainage. Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. *Building materials*.—Kinds of building materials—their properties. Timber, brickwork, and R. C. construction. Design of columns, beams roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm houses, animal shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

4. *Farm power and machinery*.—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating, cooling and governing systems of I.C. engines. Different types of tractors Chassis, transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery, interculture tools and machinery. Plant protection

equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. *Electricity and rural electrification*.—Power generation and transmission; Distribution of electricity for rural electrification; A.C. and D.C. circuits.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types selection, installation and maintenance

(9) *Chemical Engineering* :1. *Transport phenomena* : (Under steady state conditions) :

(a) *Momentum transfer* : (i) Different patterns of flow and their criteria

(ii) Velocity profile

(iii) Filtration, sedimentation; centrifuge

(iv) Flow of solids through fluids.

(b) *Heat transfer* : Different modes of heat transfer : Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan-Boltzman law.

Emissivity and absorptivity. Geometrical Shape factor.

Heat load of furnaces—calculation.

(c) *Mass transfer* : Diffusion in gases and liquids, Absorption, desorption humidification, dehumidification, drying and distillation. Analogy between Momentum, heat, and mass and transfer.

2. *Thermodynamics* :

(a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.

(b) *Determination of internal energy, entropy enthalpy and free energy*—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory of mixing, various mixers for liquid—liquid, solid—liquid and solid—solid.

3. *Reaction engineering* :

(i) *Kinetics* : Homogeneous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions.

Batch and flows—Reactors and their design.

(ii) *Catalysis*—Choice of catalysts; Preparation;

Mechanics of catalysts based upon mechanism.

4. *Transportation*.—Storage and transport of materials and in particular, powders, resins, volatile and non-volatile liquids, emulsions and dispersions, pumps, compressors, and blowers. Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid—liquid; solid-liquid; solid—solid.

5. *Materials*.—Factors that determine choice of materials of construction in chemical industries. Metals and alloys, ceramic, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment, with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. *Instrumentation and process control*—Mechanical, hydraulic, pneumatic, thermal, optical magnetic, electrical and electronic instruments, Controls and control systems. Automation.

(10) *Mathematics*

1. Algebra, Trigonometry and Theory of Equations with Determinants.

2. Pure Plane Geometry and Analytical Geometry of two dimensions.

3. Differential and Integral Calculus and Differential equations.

4. Statics, Dynamics and Hydro-statics.

or
Statistics

(11) Mechanical Engineering

1. *Strength of Materials*

—Stresses and strains—Hooke's Law and relations between elastic constants—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment, shear force and deflection in simply supported, overhanging and cantilever beams for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts—springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses, and combined bending and torsion.

Elastic Theory of failure—Stress concentration and fatigue.

2. *Theory of Machines and Machine Design*

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed-variation of fly-wheels, Governors. Power transmitted by belt drives—Friction and lubrication of journals and thrust bearings, ball and roller bearings. Design of fastenings and locking devices—Proportions for rivetted, bolted and welded joints and fastenings.

3. *Applied Thermodynamics*

Fuels Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas laws—Expansion and compression of gases—Air compressors.

Ideal and actual engine cycles—Use of temperature—entropy, heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

Simple Steam engines and Internal combustion engines.

Indicators and Indicator Diagrams—Mechanical, Thermal, air standard and actual efficiencies—General construction—Engine trial and heat balance.

4. *Production Engineering*

Common machine tools—Working principles and design features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—Milling machines—Grinding machines—Jigs and fixtures. Metal cutting tools—Tool materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive wheels.

Welding—Weldability and different welding processes—Testing of welds.

Forming process—moulding, casting, forging, rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits, Measurement of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion-time data—Work sampling—Job evaluation. Wages and incentives—Planning, control, Plant layout.

5. *Fluid Mechanics and Water power*

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Design principles, applications, and characteristic curves; Principles of similarity; Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

(12) Physics

1. *General properties of matter and mechanics*

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Moment of inertia, work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion; Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity; Surface tension; Viscosity of liquids, Rotary pump; McLeod gauge.

2. *Sound*

Damped, forced and free vibrations; Wave motion, Doppler effect; Velocity of sound waves; Effect of pressure, temperature, humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance; Beats; Stationary waves; Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture; Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones talkies and loudspeakers.

3. *Heat, and thermodynamics*

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzman's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect; liquifaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. *Light*

Geometrical optics, Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; Interference, Simple interferometer; Diffraction; Diffraction Grating; Polarisation of light; Elements of spectroscopy.

5. *Electricity and magnetism*

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases Gauss theorem and simple applications; Electrometers Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis, permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

(13) *Zoology*

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure, habits, and life-history of the following non-chordate types :

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke, tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly-mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail, and starfish (external characters only).

Economic importance of insects. Bionomics and life-history of the following insects : termite locust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordata up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types :

Branchiostoma; *Scolidon*; *frog*; *Uromastix* or any other lizard (Skeleton of *Varanus*); pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit, Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis; alternation of generations.

Ecological and geological distribution of animals, with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India, including poisonous and non-poisonous snakes; game Birds.

PART B

Personality Test.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for

the Service. The candidate will be expected to have taken an intelligent interests not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and without his own State or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity critical powers of observation and assimilation, balance of judgment, and alertness of mind initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion; mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

APPENDIX III

(Vide Rule 22)

Brief particulars relating to the Indian Forest Service (vide Rule 22).

(a) Appointments will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation. Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(f) Scales of pay :—

Junior Scale.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.
Senior Scale.—Rs. 700 (6th year or under) -40-1100-50/2-1250.

Conservator of Forests.—Rs. 1300-60-1600-100-1800.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2000-125-2250.

Inspector General of Forests.—Rs. 3,000/- (Fixed).

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the Junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(Vide Rule 18)

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the pro-

bability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to, provide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations; cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. *Walking test.*—The candidates will be required to qualify in walking test of 25 Kilometres to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Government of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever co-relation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Height	Chest girth (fully expanded)	Expansion
163 cms	84 cms	5 cms (for men)
150 cms	79 cms	5 cms (for woman)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

4. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of a half of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as to render, or likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision, with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
(Corrected Vision)	(Corrected Vision)	(Corrected Vision)	(Corrected Vision)
5/6	6/12	J.I.	J.II.
6/9	6/9		

NOTE :—

(1) *Fundus Examination*.—Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

(2) *Colour Vision*.—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and suitable lantern like Edrige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

(3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) *Night Blindness*.—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is, prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity*.—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma, unless complicated, shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—As the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

8. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as a pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear.
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing, appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name, in full (in block letters)
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.
3. (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting, attacks, rheumatism, appendicitis?
- Or
- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?.....

6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before ?.....

8. If answer to the above is, Yes, please state what Service/Services you were examined for ?.....

9. Who was the examining authority ?.....

10. When and where was the Medical Board held ?.....

11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidates signature.

Signature of the Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By willfully suppressing any

information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination

1. General development : Good.....Fair.....Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....Obese.....
Height (Without shoes)weight.....
Best WeightWhen ?.....Any recent change in weight ?.....Temperature

Girth of Chest.

(1) After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass sph. Cyl. Axis
Distant	R.E.		
	L.E.		
Near vision	R.E.		
	L.E.		
Hypermetropia	R.E.		
(manifest)	L.E.		

4. Ears : InspectionHearing : Right Ear.....Left Ear.....

5. GlandsThyroid.....

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?.....
If yes, explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?.....Rate Standing.....

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic.....Diastolic.....

9. Abdomen : Girth.....Tenderness.....
Hernia.....

(a) Palpable. Liver.....Spleen.....

KidneysTumours

(b) HemorrhoidsFistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disability

11. Loco-Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele. Varicocele etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporary unfit on account of.....

Place.....

Date.....

Chairman

Member

Member